

नए नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 22 प्रेरितों के काम - दूसरी और तीसरी मिशनरी यात्राएँ

डॉ. टेड हिल्लेब्रांट द्वारा

ए. परिचय [00:23-01:39]

ए: कम्बाइन एसी; 00:00-6:52; 2एमजे से फिलिप्पी

आपका स्वागत है। उम्मीद है कि हम अगले घंटे में प्रेरितों के काम की पुस्तक को पूरा कर लेंगे। हम अब तक प्रेरितों के काम की पुस्तक के आरंभ में पीटर और पॉल के साथ बात कर रहे हैं, जब चर्च की शुरुआत हुई थी। हमने पिन्तेकुस्त और प्रेरितों के काम 2 और अन्यभाषा बोलने के बारे में बात की और भविष्यवाणी के विरुद्ध अन्यभाषा बोलने के लिए पहले कुरिन्थियों 14 को पार कर लिया। फिर हम प्रेरित पौलुस की पहली मिशनरी यात्रा में शामिल हो गए। हमने साइप्रस और अन्ताकिया, इकुनियुम, लुस्त्रा और डर्बी के माध्यम से पॉल और बरनबास और जॉन मार्क का पता लगाया और लुस्त्रा में पॉल को लगभग मार डाला गया और पथरवाह किया गया। फिर वापस आकर और उसकी पहली मिशनरी यात्रा के बाद हमने कहा कि ईस्वी सन् 50 वह तारीख है जिसे हम याद करने की कोशिश कर रहे हैं। ईस्वी सन् 50 यरूशलेम परिषद है। यरूशलेम परिषद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहीं पर इस बात की चर्चा होती है कि क्या अन्यजातियों और कैसे अन्यजातियों को चर्च में स्वीकार किया जाता है। इसलिए पहली मिशनरी यात्रा यरूशलेम परिषद से पहले आती है। इसके बाद संभवतः पौलुस ने गलातियों को पत्र लिखकर अन्यजातियों से कहा कि उन्हें खतना करवाने की आवश्यकता नहीं है। अब पौलुस 50 ई. के ठीक बाद दूसरी मिशनरी यात्रा पर जाने वाला है। इसलिए, हम दूसरी मिशनरी यात्रा पर जाने वाले हैं और वहीं से शुरू करेंगे।

बी. दूसरी मिशनरी यात्रा: लुस्त्रा से तीमुथियुस 01:39-4:43]

सबसे पहले, हमें यह कहना चाहिए कि जब सीरिया के अन्ताकिया से दूसरी मिशनरी यात्रा शुरू होती है, जहाँ से वे सभी शुरू करते हैं, बरनबास पॉल के साथ होता है

और कहता है, "अरे, चलो दूसरी मिशनरी यात्रा पर चलते हैं, और जॉन मार्क को लेते हैं और फिर से चलते हैं।" पॉल कहता है "मेरी लाश के ऊपर से।" पॉल और बरनबास के बीच इतनी अनबन होती है कि बरनबास जॉन मार्क को ले जाता है और जाहिर तौर पर बरनबास और जॉन मार्क साइप्रस वापस चले जाते हैं जो बरनबास का घर था। फिर वे तस्वीर से बाहर हो जाते हैं, यही आखिरी बार है जब आप उनके बारे में सुनते हैं। बरनबास चला गया है। पॉल उसकी जगह सीलास को ले जाता है। तो यह अब दूसरी मिशनरी यात्रा पर है, यह ईस्वी सन् 50 के बाद की बात है, पॉल और सीलास निकल पड़े। और जब वे निकले तो वे अन्ताकिया गए। साइप्रस जाने के बजाय वे संभवतः तरसुस से गुज़रते हुए ऊपर गए, तरसुस पॉल का घर था। तरसुस से और फिर वे डर्बी, लुस्त्रा, इकुनियुम और पिसिडिया में अन्ताकिया से वापस ऊपर गए जहाँ उन्होंने पहली मिशनरी यात्रा पर दौरा किया था। दूसरी मिशनरी यात्रा पर वह उन शहरों में फिर से जाता है। लुस्त्रा में यह दिलचस्प था क्योंकि यह वह जगह थी जहाँ पॉल को पत्थर मार दिया गया था, लिस्त्रा में हर्मिस और ज़ीउस के रूप में देवता बना दिया गया था, क्योंकि उसने उस अपंग व्यक्ति को ठीक किया था। टिमोथी को वास्तव में प्रेरित पॉल के शिष्य के रूप में चुना गया है। वह पॉल के साथ एक सहायक के रूप में आता है जैसे जॉन मार्क पहली मिशनरी यात्रा पर था।

लेकिन यहाँ जो लिखा है उस पर ध्यान दें, यह बहुत रोचक है, यह प्रेरितों के काम 16:3 में लिखा है, "इसलिए उसने उस क्षेत्र में रहने वाले यहूदियों के कारण उसका खतना किया, क्योंकि वे सभी जानते थे कि उसका पिता यूनानी था।" अब यह बहुत रोचक है। यरूशलेम परिषद ने अभी-अभी निर्णय लिया था कि अन्यजातियों को खतना करने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन जब पॉल लुस्त्रा में होता है और तीमुथियुस को उठाता है और सबसे पहले वह तीमुथियुस का खतना करता है। उसका पिता यूनानी था, उसकी माँ यहूदी थी, और पॉल तीमुथियुस का खतना करता है। उसने ऐसा क्यों किया जबकि पिछले साल ही यरूशलेम परिषद ने यह बयान दिया था कि अन्यजातियों को खतना करने की आवश्यकता नहीं है? यह उद्धार का खतना नहीं है कि तीमुथियुस बचा हुआ है। दूसरे शब्दों में, उसका खतना उद्धार पाने, ईसाई बनने के लिए नहीं किया गया था। अब यह तीमुथियुस है, वह

यहूदी लोगों के लिए अपमानजनक नहीं है जो जानते थे कि उसकी माँ यहूदी थी और उसका पिता यूनानी था। इसका उद्धार से कोई लेना-देना नहीं है। इसका संबंध उन लोगों के साथ घुलने-मिलने से है जिनके साथ आप रहने वाले हैं। इसलिए तीमुथियुस का खतना सुविधा के उद्देश्य से किया गया है, न कि उद्धार या किसी बड़े धार्मिक कथन के लिए। इसके अलावा, यह कहना एक धार्मिक कथन है, "अरे, हम नहीं चाहते कि तुम लोगों को नाराज़ करो। तुम खतना करवाने के लिए सेवा करने जा रहे हो।" इसलिए उस समय तीमुथियुस का खतना किया गया। इसलिए अब तीमुथियुस उसके साथ जुड़ जाता है और वे अन्ताकिया, इकुनियुम और लुस्त्रा जाते हैं।

सी. दूसरी मिशनरी यात्रा: लूका त्रोआस से [4:43-6:52]

पॉल यहाँ इफिसुस जाना चाहता है। इफिसुस एशिया प्रांत में है। पॉल एशिया प्रांत जाना चाहता है, इफिसुस एक बड़ा शहर है और पॉल इफिसुस जाना चाहता है। इसके बजाय, यह कहा जाता है कि आत्मा मूल रूप से उन्हें एशिया जाने से रोकती है। फिर पॉल त्रोआस की ओर जाता है। त्रोआस यहाँ उत्तर में, उत्तर-पश्चिमी कोने में है। यह ट्रॉय के ऊपर है। अगर आप लोगों ने कभी ट्रॉय के बारे में सुना है, तो आपको होमर के साथ *इलियड* और *ओडिसी मिल गई होगी*। तो मूल रूप से त्रोआस में क्या होता है? दूसरी मिशनरी यात्रा, लिस्त्रा में वह टिमोथी को उठाता है, जैसे ही वह त्रोआस की ओर जाता है, अचानक हमें प्रेरितों के काम की पुस्तक में यह "हम" कथन मिलता है।

रात के समय पौलुस को एक दर्शन हुआ जिसमें मैसेडोनिया का एक आदमी खड़ा था और उससे विनती कर रहा था कि "मैसेडोनिया में आ जाओ और हमारी सहायता करो।" पौलुस ने दर्शन देखा था, अब यहाँ एक शब्द महत्वपूर्ण बात है। पौलुस ने दर्शन देखा था, "हम तुरंत तैयार हो गए।" यह प्रेरितों के काम 16:10 है, त्रोआस में मैसेडोनियन कॉल है। वह आदमी रात में पौलुस को मिले दर्शन में आता है और कहता है, "मैसेडोनिया में आ जाओ और हमारी सहायता करो।" तो पौलुस जानता है कि उसे मैसेडोनिया जाना है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि अचानक यहाँ से "हम" शुरू होते हैं। तो यह प्रेरित की

दूसरी मिशनरी यात्रा है। जब वह त्रोआस पहुँचता है, तो जाहिर है कि लूका भी उसमें शामिल हो जाता है। तो वह लुस्त्रा में तीमुथियुस को उठाता है और त्रोआस में लूका को उठाता है। अचानक “ हम ” शुरू होते हैं, जिसके बारे में हमने पहले बात की थी। तो त्रोआस महत्वपूर्ण है क्योंकि यहीं से उसे मैसेडोनियन कॉल मिलती है। अब वह फिलिप्पी में पहले यूरोपीय धर्मांतरित लोगों के लिए यूरोप जाने वाला है। तो मूलतः आप उसे एशिया माइनर, सीरिया और इजराइल से दूर यूरोप की यात्रा पर ले जाएंगे।

डी. दूसरी मिशनरी यात्रा: फिलिप्पी [6:52-16:22]

बी: केवल डी को मिलाएं; 6:52-16:22; 2एमजे फिलिप्पी

तो जब वह फिलिप्पी पहुँचता है तो क्या होता है ? सबसे पहले, हम जानते हैं कि फिलिप्पी मैसेडोनिया में है। मैसेडोनिया यहाँ ऊपर है। मैसेडोनिया से और कौन है? अगर मैं मैसेडोनिया कहूँ तो आपके दिमाग में क्या आता है? उम्मीद है कि कोर्स के शुरू में आपको मैसेडोन के फिलिप याद होंगे। मैसेडोन के फिलिप सिकंदर महान के पिता थे। इसलिए फिलिप्पी का नाम मैसेडोन के फिलिप के नाम पर रखा गया है। इसलिए वे फिलिप्पी में पहुँच गए।

यह दिलचस्प है कि वे नदी के किनारे जाते हैं क्योंकि वहाँ कोई आराधनालय नहीं है। फिलिप्पी में कोई आराधनालय नहीं है। इससे हमें क्या पता चलता है? आराधनालय बनाने के लिए क्या करना पड़ता है। अब उन दिनों, मेरा मानना है कि आराधनालय बनाने के लिए आपको दस बुजुर्गों, घर के मुखियाओं की ज़रूरत होती थी। आराधनालय बनाने के लिए आपको दस घर के मुखियाओं की ज़रूरत होती थी और जाहिर है कि वहाँ इतने सारे यहूदी नहीं थे इसलिए उनके पास आराधनालय नहीं था।

तो वे नदी के किनारे मिल रहे थे और वहाँ एक महिला थी जो धर्मांतरित हो चुकी थी और पहली यूरोपीय धर्मांतरित महिला थी, उसका नाम लिडिया था। वह बैंगनी रंग की विक्रेता है। थितिरा से है और इसलिए वह बैंगनी रंग बेचती है, जिससे पता चलता है कि वह एक अमीर महिला है, एक संपन्न महिला है। लिडिया वहाँ थी, और फिर क्या हुआ? बस मुझे

कहानी सुनाने दो।

यह प्रेरितों के काम अध्याय 16:7 और उसके बाद की कहानी है। मैं बस कहानी सुनाता हूँ, कुछ लोग हैं और इन लोगों के पास एक लड़की है जो दुष्टात्मा से ग्रस्त है। वह भविष्य बता सकती है और इसलिए वे इस लड़की के साथ काम करते हैं और पैसे कमाते हैं। वे इस लड़की को गुलाम बनाकर पैसे कमाते हैं। वह आती और लोगों को बताती कि इस दुष्टात्मा के ज़रिए भविष्य में क्या होने वाला है। खैर, यह लड़की पॉल और बरनबास के बाद आती है। पॉल अंततः थक जाता है कि वह पॉल और बरनबास के बारे में बातें बता रही है। वह थोड़ा परेशान हो जाता है और वह पलटकर इस लड़की से दुष्टात्मा को निकाल देता है। तो अब यह लड़की उन लोगों के लिए बेकार है जिन्होंने पैसे कमाने के लिए उसका इस्तेमाल किया था। जब आप किसी की जेब पर वार करते हैं तो वे कुछ न कुछ करते ही हैं। तो मूल रूप से इस लड़की से दुष्टात्माएँ निकाल दी गई हैं। अब वह भविष्य नहीं बता सकती। तो ये लोग अपनी नौकरी से बाहर हो गए हैं।

इसलिए उन्होंने पौलुस और सीलास को जेल में डाल दिया। इसलिए पौलुस को जेल में डाल दिया गया। वे जेल में क्या करते हैं? वे जेल में गा रहे हैं और परमेश्वर की स्तुति कर रहे हैं “और जब दासी के स्वामियों ने यह प्रेरितों के काम 16:19 में लिखा है : “ जब दासी के स्वामियों ने देखा कि उनके पैसे कमाने की आशा जाती रही, तो उन्होंने पौलुस और सीलास को पकड़ लिया और उन्हें घसीटकर बाजार में ले गए, अधिकारियों का सामना करने के लिए।” अब, स्पष्ट रूप से वहाँ एक यहूदी-विरोधी पूर्वाग्रह है और यदि आप नीचे से पढ़ेंगे तो “ये लोग यहूदी हैं” और यहूदियों के खिलाफ वास्तविक नकारात्मक पूर्वाग्रह है। वहां दस से भी कम घरों के मुखिया हैं। “ये लोग यहूदी हैं और हमारे शहर को उन रीति-रिवाजों की वकालत करके हंगामा में डाल रहे हैं जिन्हें हम रोमियों के लिए स्वीकार करना या अभ्यास करना वैध है।” याद कीजिए कि हमने कैसे कहा कि शुरुआती ईसाइयों को नास्तिक माना जाता था क्योंकि वे एक ऐसे ईश्वर की पूजा करते थे जिसे आप देख नहीं सकते थे। उन्हें नरभक्षी के रूप में खारिज कर दिया गया क्योंकि उन्होंने अपने मालिक का खून और उसका शरीर खाया। उन्हें अनाचारी माना जाता था क्योंकि उन्होंने अपने भाइयों और बहनों

से शादी की थी। तो आप इस तरह की गलत व्याख्या देख सकते हैं "ये लोग यहूदी हैं, शहरों में हंगामा मचा रहे हैं और ऐसे रीति-रिवाजों की वकालत कर रहे हैं जिन्हें हम रोमनों के लिए स्वीकार करना गैरकानूनी है।"

तो पॉल और सीलास जेल में हैं और वे आधी रात को भजन गा रहे हैं और अचानक प्रभु का एक दूत नीचे आता है और दरवाज़े खोलता है और बेड़ियाँ गिर जाती हैं। पॉल और सीलास वहाँ से आज़ाद हो रहे हैं और यह देखना दिलचस्प है कि क्या होता है। आपके पास एक रोमन गार्ड है। अब रोमन क्या करने जा रहा है? जेल का दरवाज़ा खुला है और इस प्रक्रिया में उन्हें नंगा करके पीटा जाता है जो दिलचस्प है। तो अचानक एक ऐसा भयंकर भूकंप आया। एक बार जेल के सभी दरवाज़े खुल गए और सभी की जंजीरें ढीली हो गईं। जेलर जाग गया और जब उसने जेल के दरवाज़े खुले देखे, तो उसने अपनी तलवार खींची और खुद को मारने वाला था क्योंकि उसे लगा कि कैदी भाग गए हैं। उन कैदियों की रक्षा करना उसकी ज़िम्मेदारी थी। वे कैदी आज़ाद हो जाते हैं और अगर वे भाग जाते हैं, तो वह मर चुका है। इसलिए वह किसी और, राज्यपाल या सरकारी लोगों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने के बजाय खुद को मारने जा रहा है। तो जो हुआ वह यह था कि पॉल चिल्लाया "खुद को नुकसान मत पहुँचाओ, हम सब यहाँ हैं।"

जेलर ने रोशनी मंगवाई, दौड़कर अंदर गया और कांपते हुए पौलुस और सीलास के सामने गिर पड़ा और अब यह क्लासिक लाइन है, यह प्रेरितों के काम की पुस्तक के अध्याय 16 की आयत 30 और उसके बाद की पंक्ति है। "तब वह उन्हें बाहर ले आया और पूछा" और यह पवित्रशास्त्र में सबसे स्पष्ट प्रश्नों में से एक है, "सज्जनो, उद्धार पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?" "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए?" अब आपको सबसे स्पष्ट उत्तरों में से एक मिलता है, मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए, उस आदमी ने सीधे-सीधे ईमानदार सरल प्रश्न पूछा। उन्होंने उत्तर दिया, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो और तुम अपने घराने में उद्धार पाओगे।" यह सबसे स्पष्ट कथनों में से एक है, इसके लिए क्या करना पड़ता है? "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो और तुम उद्धार पाओगे।" और यह सबसे स्पष्ट कथनों में से एक

फिर हमें पूछना होगा कि दूसरे लोग हमेशा क्या जोड़ने की कोशिश करते हैं, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो और तुम बच जाओगे? हर कोई कहता है “हाँ, तुम्हें यीशु पर विश्वास करना होगा और साथ ही तुम्हें यह भी करना होगा। तुम्हें यीशु पर विश्वास करना होगा हाँ लेकिन तुम्हें यह भी करना होगा।” तो हर कोई पहले से ही विश्वास के उस कथन के साथ कुछ और जोड़ने को तैयार है, और इसलिए उदाहरण के लिए, मेरा एक छात्र मित्र था जो इस पंथ में शामिल हो गया था जिसने कहा कि तुम्हें उनके चर्च द्वारा बपतिस्मा लेना होगा अन्यथा तुम्हें बपतिस्मा नहीं दिया जाएगा और यदि तुम्हें बपतिस्मा नहीं दिया गया तो तुम बच नहीं पाओगे। तुम्हें अपने पापों की क्षमा पाने के लिए बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है। और उन्होंने जो किया वह प्रेरितों के काम 2:38 का पालन करना था। मुझे बस इसे पढ़ने दें। कि तुम्हें बपतिस्मा लेना होगा अन्यथा तुम बच नहीं पाओगे। प्रेरितों के काम 2:38 और यह कहता है “विश्वास करो और पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लो।” इसलिए आपको पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लेना होगा ताकि आपके पापों को क्षमा किया जा सके। फिर उन्होंने जो कहा वह यह था: “नहीं, आप किसी और से बपतिस्मा नहीं ले सकते, आपको हमारे चर्च से बपतिस्मा लेना होगा।” आप देख सकते हैं कि यह कितना पंथवादी है? किसी और का बपतिस्मा और कोई अन्य चर्च मान्य नहीं है। आपको हमारे चर्च से बपतिस्मा लेना होगा। इसलिए वे ही हैं जो नियंत्रित करते हैं कि कोई स्वर्ग में जाए या नर्क में। वे ही हैं जो अपने बपतिस्मा के माध्यम से इसे नियंत्रित करते हैं। यह एक बहुत ही पंथवादी प्रवृत्ति है। मेरा एक छात्र मित्र उनके साथ जुड़ गया और वास्तव में वापस आकर मुझे एक व्याख्यान दिया कि मैं बचा नहीं हूँ क्योंकि मुझे उस चर्च से बपतिस्मा नहीं मिला है। उसके माता-पिता बचाए नहीं गए थे क्योंकि उन्हें उस चर्च से बपतिस्मा नहीं मिला था और इसलिए वह उनके साथ चला गया और आखिरकार चार या पाँच साल बाद उसे एहसास हुआ कि यह सब एक दिखावा था और मूल रूप से इससे बाहर निकल गया। यह एक बहुत ही पंथवादी प्रथा थी। आपको हमारे समूह में शामिल होना होगा अन्यथा आप आस्तिक नहीं हैं, आप ईसाई नहीं हैं। बहुत सारे चर्च इस तरह की चीज़ों को पंथवादी तरीके से खींचने की कोशिश करते हैं।

यहाँ एक और बात है जिसका मैंने पहले ज़िक्र किया था जब हम अन्य भाषाओं में बोल रहे थे। एकता आंदोलन कहता है कि आपको अन्य भाषाओं में बोलना चाहिए, यह प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास है, लेकिन आपको अन्य भाषाओं में भी बोलना होगा अन्यथा आप सच्चे ईसाई नहीं हैं। पवित्र आत्मा वास्तव में आप पर नहीं आया है और आपको बपतिस्मा नहीं दिया है। इसलिए आपको ईसाई होने के लिए अन्य भाषाओं में बोलना होगा। और इसलिए यह फिर से एक पंथीय तरह की बात है। स्वर्ग में जाने के लिए आपको हमारी चाल चलनी होगी। और पॉल कहते हैं "नहीं, नहीं।" आपको बचाए जाने के लिए क्या चाहिए? आपको प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना होगा और आप बचाए जाएँगे।

मुझे लगता है कि इस तरह की पंथवादी चीजों के लिए सबसे अच्छे उदाहरणों में से एक, जवाबी उदाहरण क्या आपको क्रूस पर चढ़ा चोर याद है? क्रूस पर यीशु के बगल में दो चोर थे और जब यीशु मर रहे थे। क्या आपको याद है कि एक व्यक्ति ने कहा था, "प्रभु, जब आप अपने राज्य में आएँगे तो मुझे याद रखना।" यीशु ने कहा, "आज तुम मेरे साथ स्वर्ग में रहोगे।" क्या उस व्यक्ति ने बपतिस्मा लिया था? नहीं। क्या वह व्यक्ति अन्य भाषाएँ बोल रहा था? नहीं। यीशु ने कहा "आज" यीशु ने क्यों कहा, "आज तुम स्वर्ग में रहोगे।" उसने यीशु मसीह पर विश्वास किया। वह बच गया था। इसलिए क्रूस पर चढ़ा चोर यीशु मसीह पर विश्वास करने के अलावा कोई और काम नहीं करता था। यही तो चाहिए। यही मोक्ष के बारे में है।

ई. विश्वास की प्रकृति [16:22-31:47]

C: केवल E को संयोजित करें; 16:23-31:47; 2MJ – फिलिप्पी, विश्वास की प्रकृति

अब सवाल यह है कि विश्वास का क्या मतलब है? विश्वास क्या है? यीशु पर विश्वास करने का क्या मतलब है? इसका वास्तव में क्या मतलब है? मैं तीन बातें बताना चाहता हूँ जो चर्च में पारंपरिक हैं। सबसे पहले, विश्वास करने के लिए तथ्यों को जानना ज़रूरी है। आपको प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना होगा। आपको यह जानना होगा कि यीशु मसीह कौन हैं।

यीशु मसीह आए, एक कुंवारी से पैदा हुए, फिलिस्तीन में रहे और भगवान और मनुष्यों के सामने कई चमत्कार किए। यीशु हमारे पापों के लिए मरे और तीसरे दिन फिर से जी उठे और स्वर्ग में चढ़ गए और सर्वशक्तिमान परमेश्वर पिता के दाहिने हाथ पर बैठ गए और वे जीवित [जीवित] और मृतकों का न्याय करने आ रहे हैं। यदि आप में से कोई प्रेरितों के पंथ को जानता है तो आप इस तरह की बातों को जानते होंगे। यही सुसमाचार का सार है।

आपको उन कुछ तथ्यों को जानना होगा। यीशु हमारे पापों के लिए मरे; वे फिर से शारीरिक रूप से जीवित हो गए। वे स्वर्ग में चढ़ गए। कुछ तथ्य हैं जिन्हें आपको जानना होगा। इसलिए विश्वास का पहला भाग तथ्यों को जानना है। आपको यह जानना होगा कि यीशु कौन हैं। किसी चीज़ पर विश्वास करने के लिए आपको उसके बारे में कुछ जानना होगा।

दूसरी बात यह है कि आपको मूल रूप से इसे सच के रूप में स्वीकार करना होगा। यह कहना पर्याप्त नहीं है कि मैं यीशु के बारे में इन तथ्यों को जानता हूँ, लेकिन आपको यह कहना होगा कि मैं इन तथ्यों को स्वीकार करता हूँ कि यीशु मृतकों में से जी उठे, शारीरिक रूप से मृतकों में से जी उठे, उन्हें 500 लोगों ने देखा, 12 लोगों ने देखा, इम्माऊस के रास्ते पर दो लोगों ने देखा, संदेह करने वाले थॉमस ने देखा, और बाद में पॉल ने देखा। यरूशलेम में इम्माऊस में और गलील में विभिन्न स्थानों और दिन के विभिन्न समयों में विभिन्न परिस्थितियों में। उन्हें विभिन्न लोगों, महिलाओं, पुरुषों, विभिन्न संदर्भों ने देखा। आपको उन तथ्यों को स्वीकार करना होगा जो सत्य हैं। वे आपके लिए सत्य हैं कि यीशु केवल सामान्य रूप से नहीं मरे, कि यीशु आपके पापों के लिए मरे, और कि आप उस क्षमा के लिए परमेश्वर पर भरोसा करते हैं जो आपके लिए मसीह के महान बलिदान के माध्यम से आती है। इसे ही वे प्रतिस्थापन प्रायश्चित्त कहते हैं, कि मसीह की मृत्यु आपके लिए प्रतिस्थापन थी। इसलिए, जब आप मानते हैं कि आपको तथ्यों को जानना है, तो आपको यह स्वीकार करना होगा कि वे तथ्य सत्य हैं।

और फिर तीसरा, इसे आप भरोसा कहते हैं। शायद सबसे अच्छे तरीके से मैं इसे समझा सकता हूँ जब मैं छोटा बच्चा था तो किसी चीज़ पर भरोसा करने, उस पर विश्वास करने और उस भरोसे का हिस्सा होने का क्या मतलब है।

जब मैं छोटा था, न्यूयॉर्क के नियाग्रा फॉल्स में बर्कहोल्टज़ नामक जगह पर एक घर था, यह बहुत छोटा घर था और छत काफी सपाट थी। इसलिए मेरे पिता मुझे छत पर ले गए। मैं उस समय लगभग तीन साल का रहा होगा। मैं और मेरे पिता छत पर थे। वह छत पर कुछ चीजें ठीक कर रहे थे और इसलिए मैं ऊपर था और मेरी मां नीचे थीं। मेरे पिता ने अपनी मां से कहा कि नीचे कूद जाओ। छत से कूद जाओ और तुम्हारी मां तुम्हें पकड़ लेगी। इसलिए मैंने जो किया, मैंने सोचा "यह वास्तव में अच्छा होगा, मैं हवा में उड़ने में सक्षम हो जाऊंगा, नीचे और मेरी मां मुझे पकड़ लेंगी।" इसलिए मैं वापस आया और घर पर वापस आ गया और फिर अचानक मैंने दौड़ना शुरू कर दिया और इसलिए मैं नीचे जा रहा हूँ और मैं छत से कूदने जा रहा हूँ और मैं बस उड़ने जा रहा हूँ और मेरी मां मुझे पकड़ लेंगी, मैं तीन साल का हूँ। इसलिए मैं अपने घर की छत से नीचे की ओर दौड़ना शुरू कर देता हूँ और मैं कूदने ही वाला होता हूँ कि अचानक मुझे एक बड़ा हाथ दिखाई देता है और वह मेरे पिता होते हैं, वे नीचे पहुँचते हैं और मेरी कमीज़ के पीछे से मुझे पकड़ते हैं और मुझे उठाते हैं और कहते हैं "तुम क्या कर रहे हो?" मैंने जवाब दिया "आपने मुझे माँ के पास कूदने के लिए कहा था इसलिए मैं नीचे कूद रहा हूँ। मैं वहाँ से उड़कर बाहर जाने वाला था।" उन्होंने समझाया "मैं बस मज़ाक कर रहा था। मेरा मतलब यह नहीं था कि तुम छत से कूदो। तुम्हारी माँ तुम्हें पकड़ नहीं पाएंगी।" तो तब मैंने सबक सीखा, अपने पिता पर कभी भरोसा मत करो। वैसे भी, यह मुद्दा नहीं है। यहाँ मुद्दा यह है कि वह भरोसा था। भरोसा तब होता है जब आप खुद को तथ्यों के हवाले कर देते हैं और इसलिए जब आप वास्तव में विश्वास की छलांग लगाते हैं। आप वास्तव में उन तथ्यों पर खुद पर भरोसा करते हैं। मुझे पता है कि तथ्य क्या हैं; मुझे विश्वास है कि तथ्य सत्य हैं और वे मेरे लिए हैं और अब मैं उन तथ्यों पर खुद पर भरोसा करने जा रहा हूँ।

तो विश्वास के तीन पहलू हैं, इसे देखने के तीन अलग-अलग तरीके हैं। प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करने के लिए आपको बचाया जाना चाहिए। आपको यह या वह करने की ज़रूरत नहीं है। प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो और तुम बच जाओगे।

अब, सवाल यह है कि क्या कर्मों का पालन किया जाता है? जेम्स 2 में जेम्स हमें

बहुत जल्दी बताता है कि "कर्मों के बिना विश्वास मृत है।" इसलिए यदि कोई व्यक्ति आपको बताता है कि उसके पास विश्वास है और वह अपने जीवन में यीशु को प्रतिबिंबित नहीं करता है तो यह भी एक बड़ी समस्या है। इसलिए आपको इसके साथ बहुत सावधान रहना होगा। जब मैं यहाँ हूँ तो मैं विश्वास करने के संदर्भ में और इसका क्या अर्थ है, इसका उल्लेख करना चाहूँगा। व्यक्ति अपने आप को उस चीज़ पर सौंपता है जिसे वह सच मानता है और यह उसके जीने के तरीके को प्रभावित करता है। जैसा कि वे कहते हैं, कर्मों के बिना विश्वास मृत है।

मैं आपको प्रोबो नामक एक व्यक्ति की कहानी बताता हूँ। मैंने इंडियाना स्टेट जेल में अधिकतम सुरक्षा वाली जेल में दस साल तक काम किया। मैं दिन में ग्रेस कॉलेज में पढ़ाता था और फिर रात में मेरे एक मित्र केन टे लॉर, जो ग्रेस में पढ़ाते थे, हम कार में बैठते और डेढ़ घंटे तक गाड़ी चलाकर इस जेल में पहुँचते। फिर हम सात दरवाज़ों से जेल में जाते, यह अधिकतम सुरक्षा वाली जेल थी। 40 फ़ीट ऊँची दीवारें और लगभग दस फ़ीट मोटी। मुझे लगता है कि इसे 1863 में या गृहयुद्ध के समय बनाया गया था। यह वास्तव में बहुत पुराना था। यह अधिकतम सुरक्षा वाली जेल थी; यहाँ सभी बड़े लोग जाते थे। उनके खिलाफ आजीवन कारावास की सज़ा दी गई, पैंतीस साल, 25 साल, इस तरह की सज़ाएँ। मैं जेल में एक व्यक्ति से मिला जिसका नाम प्रोबो [जॉन शुल्ज़] था। जेल में उसका नाम प्रोबो था। वह वियतनाम का एक अनुभवी सैनिक था। मैं आपको कहानी का थोड़ा सा हिस्सा बताता हूँ। यह टेप पर है, यह थोड़ी लंबी हो सकती है। वह वियतनाम का एक अनुभवी सैनिक था, उसे विशेष सेवाओं में प्रशिक्षित किया गया था और इसलिए वियतनाम में एक डी.एम.जेड. एक विसैन्यीकृत क्षेत्र था, वे उसे मूल रूप से विसैन्यीकृत क्षेत्र के दूसरी ओर छोड़ देते थे, जहाँ उसे नहीं होना चाहिए था। इसलिए इस व्यक्ति को वहाँ नहीं होना चाहिए था, लेकिन उन्होंने उसे वहाँ छोड़ दिया और मूल रूप से उसके हाथों में एक चाकू दे दिया, उसके पास बंदूक नहीं थी। उसके पास बंदूक नहीं हो सकती थी क्योंकि अगर उसके पास बंदूक होती और वह गोली चलाता तो बंदूक से आवाज़ आती और लोगों को पता चल जाता कि वह वहाँ है। इसलिए उन्होंने उसके हाथों में एक चाकू दे दिया और उसे लोगों को मारने का प्रशिक्षण

दिया। इसलिए वे विसैन्यीकृत क्षेत्र के पीछे चले गए और वह बस अंदर गया और उन दिनों में वियतकांग के कुछ लोगों को मार डाला। जब वह वापस अमेरिका आया, तो वह एक नायक था। मेरा मतलब है कि यह व्यक्ति बहुत उच्च प्रशिक्षित है, वह जो करता था उसमें बहुत अच्छा था, वह जीवित अंदर और बाहर आया और अगर आप वियतनाम युद्ध के बारे में कुछ जानते हैं तो इसके बारे में कुछ कहा जा सकता है।

वह अमेरिका वापस आया, वह एक रात एक बार में था और दो लोगों ने उस पर हमला किया। खैर, मैं आपको बताता हूँ, आप प्रोबो पर हमला नहीं करना चाहेंगे क्योंकि यह आदमी जो करता था उसमें बहुत अच्छा था और उसने ऐसा कई बार किया। वह एक उच्च पदस्थ सैन्य व्यक्ति था और परेड और अमेरिका द्वारा अत्यधिक सम्मानित था। वह एक बार में था, ये दो लोग उस पर हमला करते हैं और वह प्लैशबैक में वही करता है जो वह करता है क्योंकि यह उसके साथ सजगता की तरह है और वहाँ आप देखते हैं कि उसके बगल में दो लोग मरे हुए हैं। उसने अपने हाथों से दोनों लोगों को मार डाला। अब उस पर हत्या का आरोप है और वह पैंतीस साल के लिए जेल जाता है। वह जेल में था जब वह जेल में था तब उसकी उम्र लगभग 55 वर्ष थी। जब उसे रिहा किया गया तब वह लगभग 55 वर्ष का था मैं उसे शायद तब से जानता था जब वह 45-55 वर्ष का था। जेल में किसी ने भी प्रोबो के साथ खिलवाड़ नहीं किया, हर कोई जानता था कि वह क्या कर सकता है और यह "हाँ, मिस्टर प्रोबो" था। उसके पूरे शरीर पर टैटू थे, वह एक तरह से हेल्स एंजल हार्ले डेविडसन टाइप का आदमी था। किसी ने प्रोबो के साथ छेड़छाड़ नहीं की क्योंकि वे जानते थे कि वह क्या करने वाला है।

उसने मेरी क्लास ली, वह ईसाई नहीं था, और उसने कभी नोट्स नहीं लिए। यह एक पुराने नियम की क्लास थी, उसने कभी क्लास में नोट्स नहीं लिए। वह हमेशा मुझसे ऐसे सवाल पूछता था जो बाइबल के विरुद्ध थे, मानो वह बाइबल को गलत साबित करने की कोशिश कर रहा हो। उदाहरण के लिए, बाइबल कहती है कि चमगादड़ पक्षी हैं और बेशक, चमगादड़ पक्षी नहीं हैं। तो लेविटस कैसे सही हो सकता है क्योंकि यह चीजों को वर्गीकृत करने के तरीके के कारण है। उसने कई बार मुझे बाइबल में "त्रुटियों" के बारे में

बताया था। हमने इस पर बात की और यह वास्तव में अच्छा था। यह मेरे लिए अच्छा था और उम्मीद है कि यह उसके लिए भी अच्छा होगा।

वह जेल से बाहर आया और मुझे उसकी आँखों में डर देखना याद है, पहली बार मैंने उसकी आँखों में डर तब देखा था जब उसने इसका जिक्र किया था, वह उस समय लगभग 55 वर्ष का था और वह जानता था। यह लड़का बहुत होशियार था। उसने मेरे ओल्ड टेस्टामेंट क्लास में कभी नोट्स नहीं लिए। जब मैंने वह परीक्षा दी तो मैंने सोचा, "ठीक है, प्रोबो, मैं तुम्हें गलती करते हुए देखूंगा क्योंकि तुम परीक्षा देने जा रहे हो, तुमने कोई नोट्स नहीं लिए हैं। तुम इस परीक्षा में फेल हो जाओगे। उसने परीक्षा दी, कक्षा में सर्वोच्च ग्रेड प्राप्त किया। प्रोबो के साथ समस्या यह थी कि उसके पास फोटोग्राफिक कान थे। आप जो कुछ भी कहते थे, वह उसे शब्दशः याद रख सकता था। वह मेरे द्वारा कही गई बातों को शब्दशः उद्धृत कर सकता था। मैं याद नहीं रख सकता था कि मैंने क्या कहा था। वह मेरे द्वारा कही गई बातों को शब्दशः उद्धृत कर सकता था। सेना ने उसे प्रशिक्षित किया था कि जब उसे आदेश मिलते थे तो कुछ भी लिखा नहीं जाता था, यह सब उसके दिमाग में होता था

जब वह जेल से बाहर आने वाला था, तो पहली बार मैंने उसकी आँखों में डर देखा क्योंकि वह जानता था कि वह पैंतीस साल से जेल में है। वह जानता था कि दुनिया बदल गई है। वह बहुत ही होशियार आदमी था। वह जेल से बाहर आया। मैं मैसाचुसेट्स में गॉर्डन कॉलेज नामक एक जगह पर आया। मैंने प्रोबो के लिए प्रार्थना की और उसने हमेशा मुझसे कहा कि वह अपनी हाली से मुझे परेशान करेगा और किसी दिन मैं सुनूँगा और इस हाली की दहाड़ सुनूँगा, अगर आपने कभी सुना है तो आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ। वह मुझे परेशान करने वाला था और मुझे लगा कि वह ग्रेस कॉलेज वापस आ रहा है लेकिन मैं गॉर्डन चला गया था इसलिए मुझे हमेशा आश्चर्य होता था कि किसी दिन मैं फ्रॉस्ट हॉल में इस हाली को सुनूँगा। यह राष्ट्रपति को बहुत डरा देगा या कुछ और जब वह इस बड़े टैटू वाले आदमी को देखेगा। मैंने इसे कभी नहीं सुना और मैंने उसके लिए सालों तक प्रार्थना की कि मसीह उसके जीवन में आए और वह एक ईसाई बन जाए।

पता चला कि किसी ने मुझे नहीं बताया क्योंकि अब मैं उस जगह से हज़ारों मील दूर

हूँ जहाँ मैं पढ़ाता था। प्रोबो की मौत हो गई, वह अपनी मोटरसाइकिल चला रहा था, उसका कोट फँस गया और वह मोटरसाइकिल से 55/60 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से गार्ड रेलिंग में जा गिरा और तुरंत मर गया। किसी ने मुझे नहीं बताया, मैं बहुत गुस्से में था। ऐसा लगा कि मैं इस आदमी के लिए प्रार्थना कर रहा हूँ जो दो साल से मर चुका है और मैं अभी भी उसके लिए प्रार्थना कर रहा हूँ। इस तस्वीर में क्या गड़बड़ है? किसी ने मुझे क्यों नहीं बताया?

मैं एक सम्मेलन में था। मुझे अटलांटा में ईटीएस सम्मेलन में बोलना था और वहाँ रॉन क्लटर नाम का एक व्यक्ति था जो मेरा दोस्त था, हम दोपहर के भोजन के लिए बाहर गए और रॉन और मैंने पुराने समय के बारे में बात की और जब मैं वहाँ से उठ रहा था तो वह मेरी ओर मुड़ा और बोला, क्या तुम्हें जॉन शुल्टज़ याद है - पुराना प्रोबो ? मैंने कहा, "हाँ, तुम्हें क्या लगता है मैं प्रेस में आप लोगों पर इतना गुस्सा था कि तुमने मुझे कभी नहीं बताया कि वह मर गया और मैं उसके लिए प्रार्थना कर रहा था। जब भी मैं इसके बारे में सोचता हूँ तो मेरा गला भर आता है।

रॉन और मैं फिर से बैठ गए और उन्होंने कहा कि प्रोबो इसी तरह काम करता है। मैं कभी समझ नहीं पाया क्योंकि उसने वास्तव में एक ईसाई लड़की से शादी की थी। मैं समझ नहीं पाया कि प्रोबो ने एक ईसाई लड़की से शादी क्यों की। मुझे लगा कि यहाँ कुछ ठीक नहीं चल रहा है। रॉन ने मुझे बताया कि प्रोबो ईसाई बन गया था लेकिन उसने किसी को नहीं बताया कि वह ईसाई है। वह चाहता था कि लोग उसके जीवन में आए बदलाव से जानें कि वह ईसाई है। वह अपने धर्म को अपनी आस्तीन पर पहनकर आपके सामने यह नहीं कहेगा कि, "हाँ, मैंने छोटा सा सूत्र कहा है।" नहीं, उसने कहा, "मसीह ने मेरा जीवन बदल दिया है और जो लोग मुझे जानते हैं वे जानेंगे कि एक अंतर है क्योंकि मेरा जीवन बदल गया है।" उसने कभी भी यह प्रसारित नहीं किया कि वह ईसाई बन गया है लेकिन उसका जीवन बदल गया था और इसीलिए उसने एक ईसाई लड़की से शादी की। इसलिए प्रोबो ईसाई बन गया। मसीह में उसके विश्वास ने खुद को उन विश्वासों के लिए समर्पित कर दिया और उन विश्वासों ने उसका जीवन बदल दिया - उसका जीवन बदल दिया। इसके लिए कुछ कहा जा सकता है। शब्द सस्ते हैं। अपने जीवन को, अपने जीवन के परिवर्तन को, मसीह को

प्रतिबिंबित करने दें। फिर लोग आपको पाखंडी नहीं कह सकते। आप यीशु के पदचिन्हों पर चल रहे हैं। और इसलिए मसीह ने अपना जीवन बदल दिया। इसलिए जब हम स्वर्ग पहुँचते हैं और आप वहाँ किसी व्यक्ति को अपनी हालें में घूमते हुए देखते हैं और वह अपनी हालें में मुझे ढूँढ़ रहा होता है, तो आप उसे बताएँ कि हिल्डेब्रांट वहाँ पर्ली गेट पर इंतज़ार कर रहा है और प्रोबो से कहें कि वह बाहर आकर मुझे ले जाए और मैं उसके साथ अंदर चला जाऊँगा। माफ़ करें, यह बहुत अजीब था।

मुद्दा यह है कि मुझे बचाए जाने के लिए क्या करना चाहिए? प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो और तुम बचाए जाओगे। यह फिलिप्पी के जेलर के प्रेरितों के काम 16:9 से सुसमाचार है। मुझे बचाए जाने के लिए क्या करना चाहिए? यह हमारी संस्कृति में दिलचस्प है कि हमने अब चीजों को कैसे बदल दिया है। लोग सुसमाचार या "बचाए जाने" के बारे में बात नहीं करना चाहते हैं। वे सामाजिक न्याय या अन्य चीजों के बारे में बात करना चाहते हैं और इसलिए जो होता है वह यह है कि यह एक बड़ा बदलाव है, मुझे लगता है कि यह "पारंपरिक" सुसमाचार से दूर है कि किसी को बचाए जाने के लिए प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करना चाहिए, अब धरती माता को बचाने या सामाजिक न्याय या हम इन कारणों से दूर हो जाते हैं। फिर हम उन्हें जोड़ने की कोशिश करते हैं और हम अब सुसमाचार से लगभग शर्मिंदा हैं, लेकिन सामाजिक न्याय का समर्थन करना हमारी संस्कृति के लिए बहुत अनुकूल है। हमारी संस्कृति गरीबों की मदद करना पसंद करती है और इसलिए जब तक हम सुसमाचार के बारे में अपना मुँह बंद रखते हैं, तब तक हमें ईसाई के रूप में सिर पर थपथपाया जाता है। मुझे लगता है कि आपको अब हमारी संस्कृति में हो रहे बदलावों के बारे में बहुत सावधान रहना होगा। मैं क्या पूछ रहा हूँ: सुसमाचार क्या है? प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो और तुम बच जाओगे। यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। याद रखें हमने कहा था, "प्रमुख बातों पर ध्यान दो।" यह प्रमुख बातों में से एक है। यीशु पर विश्वास करने का क्या मतलब है? इसका क्या मतलब है? तथ्यों को जानना, तथ्यों को सच मानना और उन तथ्यों पर खुद पर भरोसा करना और फिर यीशु के नक्शेकदम पर चलना।

तो यह फिलिप्पी का जेलर है, लिडिया बैंगनी रंग की विक्रेता है। तो आगे क्या होता

है? तो वह फिलिप्पी से ट्रक लेकर निकलता है। वैसे, मैं एक बात भूल गया, अंदाज़ा लगाइए क्या होता है, फिलिप्पी में "हम" रुक जाते हैं। तो जाहिर है कि लूका त्रोआस से फिलिप्पी गया था। फिर जब वह फिलिप्पी में होता है तो अचानक "हम" रुक जाते हैं। पॉल थिस्सलुनीके जाता है लेकिन फिर "उसने" ने यह किया और "उसने" ने वह किया, यह अब हम नहीं है। तो जाहिर है कि लूका दूसरी मिशनरी यात्रा पर त्रोआस से फिलिप्पी जाता है और वहीं रुक जाता है।

ई. थिस्सलुनीके और बेरिया [31:47-33:52]

D. संयुक्त उदाहरण; 31:47-48:48; 2MJ थेसालोनिका से कुरिन्थुस तक

तो थिस्सलुनीके में क्या होता है? जब वे थिस्सलुनीके पहुँचते हैं, जैसा कि प्रथा थी, पॉल आराधनालय में जाता है। यह प्रेरितों के काम 17:5 है। तीन सप्ताह के दिनों में उसने उनके साथ शास्त्रों से तर्क किया और समझाया और साबित किया कि मसीह को दुख उठाना पड़ा और मृतकों में से जी उठना पड़ा। ईश्वर से डरने वाले यूनानी और प्रमुख महिलाएँ जब ईश्वर से डरने वाली महिलाओं पर विश्वास करती हैं, तो यहूदी ईर्ष्यालु हो जाते हैं और जो होता है, वह यह है कि वे जेसन के घर पर हमला करते हैं जहाँ पॉल रह रहा था। पॉल जेसन के इस घर में रह रहा था। फिर यहूदी एक भीड़ बनाते हैं, वे जेसन के घर पर हमला करने आते हैं। पॉल मूल रूप से पीछे के दरवाजे से बाहर निकलता है और भाग जाता है। इसलिए थिस्सलुनीका को आज आधुनिक थेसालोनिकी कहा जाता है। वे जेसन के घर पर हमला करते हैं। पॉल भाग जाता है, वहाँ से निकल जाता है और भाग जाता है। उनके खिलाफ उनका आरोप यह था कि वह कह रहा था कि कैसर के बजाय कोई और राजा, यीशु है। इसलिए वे उस आधार पर पॉल के पीछे पड़ गए।

अब जब वे बेरिया पहुँचते हैं, तो बेरिया एक खास जगह है। आप में से कई लोगों ने बेरियन बाइबल चैपल के बारे में सुना होगा। बेरिया, थेसालोनिका से सड़क के नीचे है। ये ग्रीस के उत्तर में मैसेडोनिया के तीन शहर हैं। इसमें कहा गया है, “ बेरिया के लोग थेसालोनिका के लोगों से ज़्यादा नेक चरित्र के थे क्योंकि उन्होंने संदेश को बड़ी उत्सुकता से

ग्रहण किया।” इसी के लिए बेरिया के लोग जाने जाते थे। जब आप बेरिया बाइबल चैपल या बेरिया बाइबल स्टडीज़ कहते हैं, तो “वे हर दिन पवित्रशास्त्र की जाँच करने के लिए जाने जाते हैं ताकि यह देख सकें कि पॉल ने जो कहा वह सच है या नहीं।” इसलिए बेरिया के लोग इस बात पर गर्व करते हैं कि वे पवित्रशास्त्र की जाँच करते हैं कि क्या चीज़ें सच हैं। यह एक नेक बात है। वे थेसालोनिका के लोगों से ज़्यादा नेक थे जिन्होंने जेसन के घर पर हमला किया था।

एफ. एथेंस [33:52-40:20]

फिर पॉल सीलास और टिमोथी को वहीं छोड़ देता है और एथेंस की ओर चला जाता है। इसलिए पॉल मैसेडोनिया से एथेंस की ओर चला जाता है। एथेंस सबसे प्रसिद्ध यूनानी शहर है। यहीं पर पॉल ने प्रेरितों के काम 17 में मार्स हिल पर दार्शनिकों से बात की थी। मुझे प्रेरितों के काम 17:16 में से कुछ पढ़ना है। “वहाँ रहने वाले सभी एथेनियन और विदेशी अपना समय केवल बातचीत करने और नवीनतम विचारों को सुनने में बिताते थे।” एथेंस सुकरात का महान घर था। एथेंस प्लेटो, अरस्तू, महान विचारकों और महान दार्शनिकों का महान स्थान था। फिर पॉल जाता है और कहता है, “जब मैं घूम रहा था तो मैंने आपकी पूजा की वस्तुओं को ध्यान से देखा और मुझे एक वेदी मिली जिस पर 'अज्ञात ईश्वर के लिए' लिखा था। अब जिसे तुम अज्ञात मानकर पूजते हो, मैं तुम्हें वही बताता हूँ। जिस ईश्वर ने दुनिया को बनाया है, उसकी सेवा मानव हाथों [मूर्तियाँ बनाने] से नहीं की जाती। हम उसी में जीते हैं, चलते हैं और अपना अस्तित्व रखते हैं, जैसा कि तुम्हारे कुछ कवियों ने कहा है कि हम उसकी संतान हैं।” यह “हम उसी में जीते हैं, चलते हैं और अपना अस्तित्व रखते हैं” ग्रीक कवियों में से एक अराटस का एक उद्धरण है। “हम उसकी संतान हैं। इसलिए चूँकि हम ईश्वर की संतान हैं, इसलिए हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि ईश्वरीय सत्ता चाँदी, सोने या पत्थर जैसी है।” वह उन संदर्भों में भी एपिमेनिडिस को उद्धृत कर रहे हैं।

तो सवाल यह है: पॉल यहाँ क्या कर रहा है? और फिर यह बड़ा सवाल है जो टर्टुलियन पूछता है: यरुशलम का एथेंस से क्या लेना-देना है? यह तनाव यरुशलम, यानी धर्म

के स्थान और एथेंस, दर्शन के स्थान के बीच है। ऐसा लगता है कि पॉल ग्रीक संस्कृति के साथ इतना जुड़ा हुआ है कि वह, उदाहरण के लिए, अज्ञात भगवान की मूर्ति लेता है और कहता है कि मैं अब तुम्हें इसकी घोषणा करने जा रहा हूँ। वह उनकी संस्कृति में जो है उसका उपयोग करके मसीह की घोषणा करता है, उन चीजों का उपयोग करके जिनसे वे परिचित हैं। इसलिए वह एराटस और एपिमेनिडेस से उद्धरण देता है, वह इन ग्रीक लेखकों से उद्धरण देता है। पॉल एक बहुत ही चतुर व्यक्ति है और वह इसे उठाता है और फिर वह इसे अपने मसीह और उनकी संस्कृति के बीच संबंध, एक संबंध के रूप में उपयोग करता है। इसलिए यह सुझाव तब ईसाइयों के लिए महत्वपूर्ण है कि हम जिस संस्कृति में रहते हैं, उसके बारे में बहुत जागरूक रहें। क्या एक ईसाई के रूप में संस्कृति के बारे में जागरूक होना और मसीह की घोषणा करने के लिए संस्कृति में चीजों का उपयोग करने में सक्षम होना महत्वपूर्ण है? क्या हमें दर्शनशास्त्र जानना चाहिए? क्या हमें मसीह का प्रचार करने के लिए अपने समय के दर्शनशास्त्र को जानना चाहिए? इसका उत्तर है: हाँ। गॉर्डन कॉलेज जैसी जगह यही सब कुछ है, उदार कलाएँ जहाँ हम गंभीरता से दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं। हमारे यहाँ कुछ असाधारण दार्शनिक हैं। अपने दर्शनशास्त्र के अध्ययन में एक संस्कृति क्या कहती है और इस दर्शनशास्त्र को प्रभावित करने वाले प्रमुख प्रभाव क्या हैं। हमारे युग के मूल दर्शनशास्त्र क्या हैं और आप एक ईसाई के रूप में उनके साथ कैसे बातचीत करते हैं। कुछ दर्शनशास्त्र, जैसा कि पॉल ने कहा, सत्य हैं। क्या एक अपवित्र गैर-ईसाई व्यक्ति के लिए कुछ सच्ची बातें कहना संभव है? या बेशक यह संभव है। इसलिए आप दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं और आप इसे सुलझाते हैं। कौन सी बातें सत्य हैं, कौन सी बातें सत्य नहीं हैं? वे कौन सी बातें हैं जो वास्तव में मसीह के बारे में हमारी संस्कृति की समझ में बाधा डाल रही हैं? किस बिंदु पर हम हमला कर सकते हैं और उस पर आधारित तर्क कर सकते हैं?

क्या आप हमारी संस्कृति को समझने और मसीह का प्रचार करने के लिए इतिहास का अध्ययन करते हैं? हमारे यहाँ अंग्रेजी की कक्षाएँ हैं; हमारे यहाँ संचार की कक्षाएँ हैं। क्या हमें इन नए डिजिटल माध्यमों में सुसमाचार को व्यक्त करने की आवश्यकता है? यह उन

चीजों में से एक है जिसके लिए मैं वास्तव में दृढ़ता से तर्क देता हूँ कि हमें ईसाइयों के रूप में इस डिजिटल माध्यम को समझने की आवश्यकता है जो हमारे कानों में बड्स लगाकर सुनने और टेलीविज़न स्क्रीन, पैड, फ़ोन, पीसी और लैपटॉप पर देखने के मामले में हमारी संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण है। जो भी हो हम मूल रूप से इस डिजिटल माध्यम को अपना रहे हैं और हमें ईसाइयों के रूप में यह समझने की आवश्यकता है कि आप इस नए माध्यम में कैसे संवाद करते हैं, इसलिए हम संचार का अध्ययन करते हैं।

हम यहाँ संगीत, कला और सभी प्रकार के रूपों का उपयोग करते हैं जिन्हें हम समझते हैं और जिनके साथ हम काम करते हैं। ईसाई शिक्षा का आधार मूल रूप से यही है, अगर आपको इसे एक वाक्य में कहना है तो मुझे लगता है कि आर्थर होम्स ने शायद सबसे अच्छा काम किया है। वह इस मामले में पूरी तरह से अविश्वसनीय थे। "सभी सत्य ईश्वर के सत्य हैं।" सभी सत्य ईश्वर के सत्य हैं और इसलिए हमने विज्ञान किया, हम जीव विज्ञान करते हैं, हम रसायन विज्ञान करते हैं, और हम भौतिकी करते हैं, ऐसे लोगों की तरह नहीं जो इन विषयों से डरते हैं कि वे उनके धर्म को प्रभावित करेंगे। ईश्वर विज्ञान के लेखक हैं। तो हाँ, मैं एक ईसाई के रूप में विज्ञान को जैविक, रासायनिक, भौतिकी के दृष्टिकोण से समझने में सक्षम होना चाहता हूँ। यह गणित में भी सच है, जो ब्रह्मांड की भाषा है। इसे समझना और यह बताना कि ब्रह्मांड कैसे काम करता है और चीजें कैसे व्यवस्थित हैं और हम गणितीय रूप से चीजों का निर्माण कैसे कर सकते हैं। यह अविश्वसनीय है। इसलिए हम उदार कलाएँ करते हैं।

पॉल फिर एथेंस में दार्शनिकों से उनकी भाषा में बहुत धाराप्रवाह बात करता है। वह उनकी भाषा में बोलता है, उन मूर्तियों की भाषा में जिनकी वे पूजा करते थे और उनके कवियों और दार्शनिकों की भाषा में और इसलिए हमें अपनी संस्कृति के बारे में भी जागरूक होने की आवश्यकता है। यह इस परिसर के लोगों के लिए एक तरह का आधार है जो मुझसे कहीं बेहतर तरीके से तर्क कर सकते हैं। यह उदार कलाओं को पर्याप्त रूप से अपनाने का आधार है। जेरूसलम का एथेंस से क्या लेना-देना है? सब कुछ।

जी. कोरिंथ [40:20-48:48]

एथेंस से पॉल कुरिन्थ जाता है। हमने इनमें से कुछ पर थोड़ा ज़्यादा समय लगा दिया है। कुरिन्थ वह जगह है जहाँ पॉल दूसरी मिशनरी यात्रा पर डेढ़ साल तक रहता है। यहीं पर पॉल कुरिन्थ में बस जाता है। इसलिए दूसरी मिशनरी यात्रा के लिए वह सीरिया के एंटीओक से शुरू करता है, सभी शहरों से गुज़रता है और लुस्त्रा में टिमोथी को उठाता है। वह त्रोआस जाता है और ल्यूक को उठाता है। वह मकिदुनिया और फिलिप्पी जाता है और इस फिलिप्पी के जेलर से मिलता है। थेसालोनिका में जेसन के घर पर हमला किया जाता है। बेरिया, वे शास्त्रों का अध्ययन करते हैं। फिर वह एथेंस आता है, वहाँ अपना काम करता है, फिर कुरिन्थ पहुँचता है। जब वह कुरिन्थ पहुँचता है, तो वह वहाँ डेढ़ साल तक रहता है। इस तरह दूसरी मिशनरी यात्रा कुरिन्थ में लगभग दो साल तक चलती है।

अब जब वह कुरिन्थ में है तो हम प्रेरितों के काम 18:1 में हैं और इसके बाद लिखा है, "इसके बाद पॉल एथेंस छोड़कर कुरिन्थ गया। वहाँ उसकी मुलाकात एक यहूदी से हुई जिसका नाम अक्विला था। वह पोंटियस का रहने वाला था और हाल ही में इटली से आया था।" अब अक्विला इटली से क्यों आया था? उसकी पत्नी का नाम प्रिस्किल्ला था। तो यहाँ आपको अक्विला और प्रिस्किल्ला मिलते हैं। अक्विला एक पुरुष है, प्रिस्किल्ला उसकी पत्नी है। क्लॉडियस लगभग 49 ई. में था, मुझे सही तारीख के बारे में पता नहीं है। क्लॉडियस ने यहूदियों को रोम से बाहर निकालने का फैसला किया। तो यहाँ आपको यह यहूदी-विरोधी भावना मिलती है, यहाँ तक कि सम्राट क्लॉडियस ने भी उन्हें रोम छोड़ने का आदेश दिया। तो अक्विला और प्रिस्किल्ला रोम छोड़कर कुरिन्थ चले गए, जो यहाँ से होते हुए कुरिन्थ पहुँच गए। फिर से रोम और कुरिन्थ के बीच के संबंध को याद करें। हमने कहा कि नाविक इस पेलोपोनीज़ के चारों ओर नौकायन करने के बजाय, यहाँ इस अच्छे बंदरगाह में नौकायन करते हैं और फिर वे सामान उतारते हैं और यहाँ एक तरफ से दूसरी तरफ सात मील के इस्थमस को पार करते हैं और फिर वे इफिसस के लिए आगे बढ़ते हैं। आप खुद को इस चट्टानी तटरेखा के चारों ओर यात्रा करने से बचाते हैं और बस यहाँ जाते हैं और सामान उतारते हैं और फिर से लोड करते हैं और आप पार कर सकते हैं। तो वह वहाँ प्रिस्किल्ला

और एकिला से मिलता है।

फिर हमें यह कहना चाहिए कि वह क्या करता है? वह वास्तव में तंबू बनाता है, प्रिस्किल्ला और अकिला जाहिर तौर पर तंबू बनाते हैं। यहीं पर पॉल तंबू बनाता है। कई ईसाई लोग कहते हैं कि वे तंबू बनाने वाले हैं। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि, उदाहरण के लिए, क्या आपको याद है कि अफगानिस्तान में एक मिशनरी था जो वास्तव में मारा गया था। यह वास्तव में शर्म की बात थी। लेकिन वह 28 साल तक अफगानिस्तान में मिशनरी था, मुझे लगता है कि वह एक नेत्र रोग विशेषज्ञ था। दूसरे शब्दों में, उसने अफगानी लोगों की दृष्टि में मदद की। वह अफगानिस्तान में काम करने वाला एक नेत्र रोग विशेषज्ञ था। मुझे लगता है कि तालिबान ने उसे पकड़ लिया और उसे मार डाला। यह सिर्फ कुछ साल पहले की बात है। क्या हुआ था कि वह अफगानिस्तान में क्या कर रहा था? हाँ, वह एक तरह का मिशनरी था लेकिन वह वास्तव में एक तंबू बनाने वाला था। वह वास्तव में उन्हें नेत्र रोग से जुड़ी सेवाएँ प्रदान करने का काम करता था।

मेरे कुछ छात्र मित्र थे जो ग्रेस में काम करने वाले पूर्व कॉलेज से जर्मनी गए थे, मुझे लगता है कि उनमें से एक आर्किटेक्ट था, उनमें से एक इंजीनियर था और मुझे यकीन नहीं है कि तीसरा कौन था। इन तीनों ने मिलकर कहा कि चलो साथ चलते हैं और जर्मनी में मिशनरी बनते हैं। तो उन्होंने जो किया वह यह था कि उन्होंने जर्मनी में नौकरी करने के लिए अपनी वास्तुकला की पृष्ठभूमि का उपयोग किया। दूसरा व्यक्ति इंजीनियर था और उसने जर्मनी में इंजीनियर के रूप में काम किया। वह शायद मर्सिडीज बेंज डिजाइन कर रहा था। उसने वहां इंजीनियर के रूप में काम किया और फिर जर्मनी में चर्चों के साथ काम किया। इसे "तंबू बनाना" कहा जाता है। यह कुरिन्थ में इस मार्ग से बना है कि पॉल प्रिस्किल्ला और अकिला ने तंबू बनाए और यही उन्होंने किया।

मुझे अमेरिका में यहूदी शिक्षा पद्धति पसंद है। हम स्कूलों में शिक्षा देते हैं। यहूदी लोग अपने बच्चों को टोरा में शिक्षा देते हैं, लेकिन वे अपने बच्चों को एक व्यावहारिक कौशल भी देते हैं। उदाहरण के लिए, यीशु को बढ़ई का बेटा कहा जाता था, लेकिन अगर आप कुछ अंशों में देखें तो मुझे लगता है कि यह मार्क में है, इसमें कहा गया है कि यीशु खुद एक बढ़ई थे। तो जो हुआ वह यह था कि पिता के पास एक व्यवसाय था और बच्चा अपने पिता का व्यवसाय सीखता था। वह टोरा और सोचने के तरीके भी सीखता था। लेकिन वे एक कौशल भी सीखते थे। इसलिए मुझे लगता है कि जीवन में इन दोनों को प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

मुझे पता है कि जब मैं हाई स्कूल में था, तो व्यावसायिक पाठ्यक्रम को गैर-शैक्षणिक और हमारे स्तर से नीचे माना जाता था। फिर आपको पता चलता है कि आपको नौकरी नहीं मिल सकती। इसलिए कुछ व्यावहारिक कौशल होना अच्छा है। यहूदी लोग लोगों को उनके दिमाग और हाथों दोनों के कौशल के मामले में प्रशिक्षित करते हैं। इसलिए पॉल एक तंबू बनाने वाला था। पॉल एक रब्बी था और गमलिलेय के अधीन प्रशिक्षित था, लेकिन वह तंबू बनाना भी जानता था। वह कुरिन्थ में अपना खर्च चलाता था। यह 2 कुरिन्थियों में बाद में आने वाला है, उसने कहा कि मैंने तुम लोगों को अपना खर्च उठाने नहीं दिया। कुरिन्थ अपनी संपत्ति के लिए जाना जाता था। उसने कहा, "मैं तुम्हारी कोई संपत्ति नहीं लूंगा क्योंकि मैं नहीं चाहता कि यह तुम लोगों के साथ मेरे मंत्रालय में बाधा बने। इसलिए कुछ लोग सोचेंगे, "तुम लोग यहाँ पैसे कमाने आए हो। मैंने यहाँ रहते हुए तंबू बनाए और अपना खर्च चलाया।" इसलिए पॉल बहुत स्वतंत्र था। पॉल मेरे जैसे हकदार मिशनरी नहीं था और मैं एक मिशनरी हूँ और आप लोगों को मेरा समर्थन करना होगा क्योंकि मैं एक बड़ा मिशनरी हूँ। नहीं, पॉल ने अपने हाथों से काम किया, खुद का खर्च उठाया और व्यवसाय की देखभाल की। तो यह कुरिन्थ में है। प्रिस्किल्ला और अक्विला, उनके साथ उनकी सेवकाई और उन्होंने कुरिन्थ में डेढ़ साल बिताया। इसलिए कुरिन्थ में चर्च एक बड़ी बात होने जा रही है।

अब, जब वह कुरिन्थ में है, तो तीमुथियुस और सीलास थिस्सलुनीके से नीचे आते हैं। तो क्या होता है, पॉल फिर कुरिन्थ से दूसरी मिशनरी यात्रा पर थिस्सलुनीकियों को लिखता है

। वह एक साल से अधिक समय तक वहाँ रहने वाला है और वह थिस्सलुनीकियों के लोगों को 1 और 2 थिस्सलुनीकियों को वापस लिखता है। आपको इस तरह की बात मिल गई है कि पॉल ने कुरिन्थ से थिस्सलुनीकियों को वापस लिखा।

एक और बात जो हमें इस बिंदु पर भी पूछनी चाहिए वह यह है कि पॉल इतने लंबे समय तक कुरिन्थ में क्यों रहा? आम तौर पर दूसरे शहरों में पॉल को पीटा जाता था और उसे अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ता था। कुरिन्थ में यही हुआ। वह आराधनालय में गया और वहां प्रचार किया और आराधनालय का नेता क्रिस्पस ईसाई बन गया। आराधनालय का नेता ईसाई बन गया। सोस्थेनेज जो कि आराधनालय का नेता नहीं था बल्कि एक और आदमी था, आता है और पॉल के लिए परेशानी खड़ी करना शुरू कर देता है। इसलिए वह गैलियो के सामने पॉल की कहानी बताता है। गैलियो गवर्नर है। इसलिए सोस्थेनेज पॉल को गैर-यहूदी अदालत में घसीटता है। लेकिन जब गवर्नर गैलियो यह देखता है तो वह कहता है, "ये झगड़ालू यहूदियों का एक समूह है।" वह कहता है, "मैं इसमें शामिल नहीं होना चाहता।" इसलिए वह उन्हें अदालत से बाहर निकाल देता सोस्थेनेस पॉल के खिलाफ आरोप लेकर आता है, गैलियो गवर्नर उसे अदालत से बाहर निकाल देता है और कहता है, "यहाँ से निकल जाओ। यह बकवास है। मैं इससे निपटना नहीं चाहता," और उसे बाहर निकाल देता है। सोस्थेनेस के साथ क्या होता है, पॉल की पिटाई के बजाय, सोस्थेनेस की पिटाई होती है। तो पॉल बच जाता है, उस समय दूसरे व्यक्ति की पिटाई हो जाती है। तो पॉल कहता है कि अरे मुझे यह जगह पसंद है हम कुछ समय के लिए यहाँ रहने जा रहे हैं। तो पॉल यहाँ डेढ़ साल तक रहता है। और वह वहाँ से थिस्सलुनीकियों को लिखता है।

यह कुछ हद तक उस पृष्ठभूमि की तरह है और फिर वह प्रिस्किल्ला और अक्विला के साथ डेढ़ साल तक कुरिन्थ में रहता है। अपोलोस नाम का एक और व्यक्ति है जो बाद में महत्वपूर्ण हो जाता है। अपोलोस शास्त्र में एक शक्तिशाली व्यक्ति था, वह पुराने नियम के शास्त्रों को वास्तव में अच्छी तरह से समझता था। वह एक ईसाई बन जाता है और फिर वह कुरिन्थ में एक प्रमुख शक्ति बन जाता है। पॉल उसे जानता है और उसके साथ-साथ प्रिस्किल्ला और अक्विला से भी जुड़ता है।

कुरिन्थ से वह वापस इज़राइल चला जाता है। तो यह दूसरी मिशनरी यात्रा है। दूसरी मिशनरी यात्रा कब होती है? आपको तारीख जानने की ज़रूरत नहीं है, आपको सिर्फ तारीख जानने की ज़रूरत है कि क्या है? यरूशलेम परिषद ई. 50, उसके ठीक पहले पहली मिशनरी यात्रा ई. 48, 49, और उसके ठीक बाद ई. 51-52 में दूसरी मिशनरी यात्रा। तो क्रम है: पहली मिशनरी यात्रा, यरूशलेम परिषद, दूसरी मिशनरी यात्रा मुख्य रूप से दो साल के लिए कुरिन्थ में, हालाँकि वह लुस्त्रा, त्रोआस, फिलिप्पी से होते हुए वहाँ पहुँचता है, लूका और तीमुथियुस को साथ लेकर। अब, हम तीसरी मिशनरी यात्रा की ओर बढ़ना चाहते हैं और आपको यह जानकारी खुशी होगी कि प्रेरित पौलुस की केवल तीन मिशनरी यात्राएँ हैं।

एच. 1 और 2 मिशनरी यात्रा की समीक्षा [48:48-52:56]

E: HJ को संयोजित करें; 48:48-60:56; 3MJ से इफिसस तक

तो तीसरी मिशनरी यात्रा में क्या होता है? चलिए बस इसे देखते हैं। यहाँ वास्तविक पावरपॉइंट है। चलिए बस इसे एक त्वरित समीक्षा के रूप में देखते हैं। आपको दूसरी मिशनरी यात्रा पर पॉल और सीलास मिल गए हैं। वह लुस्त्रा पहुँचता है जहाँ उसे पत्थरवाह किया जाता है [1MJ], वह तीमुथियुस को उठाता है [2MJ], वह तीमुथियुस का खतना करवाता है, उसके पिता यूनानी हैं, उसकी माँ यहूदी है, यरूशलेम परिषद के बाद। तीमुथियुस का खतना क्यों किया जाता है? उद्धार पाने के लिए नहीं बल्कि यहूदी लोगों के साथ घुलने-मिलने के लिए और खुद को यहूदी लोगों के लिए अपराधी न बनाने के लिए। वह त्रोआस जाता है लेकिन एशिया के प्रांत में नहीं जा सकता क्योंकि आत्मा उसे इफिसस जाने नहीं देती। इसलिए वह त्रोआस जाता है और वहीं उसे मैसेडोनियन बुलावा मिलता है। "मैसेडोनिया आओ, और हमारी मदद करो" दर्शन देने वाला व्यक्ति कहता है। यह हमारी योजनाओं के विपरीत परमेश्वर के नेतृत्व का अनुसरण करना है। पॉल इफिसस और एशिया के प्रांत में जाना चाहता था लेकिन परमेश्वर नहीं चाहता था कि वह जाए। लूका त्रोआस में शामिल होता है और यहीं से "हम" शुरू होते हैं। "हम" त्रोआस से फिलिप्पी जाते हैं और फिर रुक जाते हैं। तो जाहिर है कि लूका त्रोआस से फिलिप्पी गया और फिलिप्पी में रुका।

फिलिप्पी में, लिडिया बैंगनी रंग की विक्रेता थी। वह एक संपन्न महिला है, जो थुआतीरा से बैंगनी रंग की विक्रेता है। फिर भी फिलिप्पी में कोई आराधनालय नहीं है। हमने देखा कि वे नदी के किनारे थे; कोई आराधनालय नहीं है, वहाँ बहुत कम यहूदी हैं। वास्तव में ऐसा लगता है कि कुछ यहूदी विरोधी दबाव थे। पॉल ने दासी से शैतान को बाहर निकाला। पॉल को पीटा गया और जेल में डाल दिया गया जहाँ वह सीलास के साथ गा रहा था। फिलिप्पी का जेलर पूछता है "मुझे उद्धार पाने के लिए क्या करना चाहिए?" "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो और तुम उद्धार पाओगे।" यह एक बहुत ही बढ़िया मार्ग है। तो फिर विश्वास करने का क्या मतलब है? हमने विश्वास के तीन स्तरों के साथ-साथ कार्यों और विश्वास और कार्यों के परस्पर क्रिया के बारे में बात की। थेसालोनिका में, वे आराधनालय जाते हैं, जैसा कि उनका रिवाज था। नकारात्मक यहूदी ईर्ष्या और प्रतिक्रिया है और फिर मूल रूप से वे जेसन के घर पर हमला करते हैं। भीड़ के उसे पकड़ने से पहले पॉल भाग जाता है। वे बेरिया जाते हैं; बेरिया के लोग अधिक महान हैं; वे शास्त्रों की खोज करते हैं। यह एक अच्छी बात है। इसके बाद वह एथेंस में मार्स हिल पर जाता है, मार्स हिल पर, आप जानते हैं कि पार्थेनन कहाँ है। एथेंस में बड़ी चीज जहाँ हम मार्स हिल देखते हैं, वहाँ से थोड़ी दूर है। अज्ञात ईश्वर के लिए एक वेदी है। पॉल मसीह की घोषणा करने के लिए उनका उपयोग करता है। पॉल एपिमेनिडेस और एराटस को उद्धृत करता है। इसलिए दर्शन और अन्य विषयों को जानना; यह उदार कलाओं के लिए हमारे तर्क का हिस्सा है। एथेंस और दर्शन के इतिहास में उदार कला प्रश्न से निपटने के कई तरीके हैं। क्या हमें जानने से पहले विश्वास करना चाहिए? इसलिए इस पर एक बड़ी बहस है, मैं अभी उसमें नहीं पड़ना चाहता।

हम मसीह की घोषणा करने के लिए आधुनिक संस्कृति का उपयोग कैसे कर सकते हैं? यह एक बड़ी बात है, हम मसीह की घोषणा करने के लिए आधुनिक संस्कृति का उपयोग कैसे कर सकते हैं? हमें अपनी संस्कृति को समझने की आवश्यकता है। हमें यह जानने की आवश्यकता है कि इसके सकारात्मक पहलू क्या हैं, इसके नकारात्मक पहलू क्या हैं और हम इसका उपयोग मसीह को प्रस्तुत करने के लिए कैसे कर सकते हैं। इसलिए दूसरी मिशनरी यात्रा पर, वह कुरिन्थ जाता है। वह वहाँ डेढ़ साल तक रहता है। यह एक

बड़ी जगह है। आपके पास प्रिस्किल्ला और अक्विला हैं जिन्हें मूल रूप से क्लॉडियस के अधीन रोम से बाहर निकाल दिया गया था और वे पॉल के साथ तम्बू बना रहे थे। उस समय आराधनालय के नेता क्रिस्पस ने वास्तव में विश्वास किया। यह पॉल के लिए एक तरह से अनोखा था। फिर सोस्थनीज ने पॉल पर आरोप लगाया और पॉल के बजाय सोस्थनीज को पीटा गया। इसलिए पॉल ने कहा, "मुझे यह जगह पसंद है।" गैलियो ने पॉल पर लगे आरोपों को बहुत ही स्वादिष्ट तरीके से खारिज कर दिया। पॉल वहाँ डेढ़ साल तक रहा। जब वह वहाँ रहा, तो उसकी मुलाकात अपोलोस नामक एक व्यक्ति से हुई जो शास्त्र और पुराने नियम में एक महान व्यक्ति था। यहीं पर वह 1 और 2 थिस्सलुनीकियों को लिखता है और मूल रूप से इसे तीमुथियुस के पास वापस भेजता है, जो मकिदुनिया से पौलुस के लिए कुछ सहायता लेकर आया था।

I. तीसरी मिशनरी यात्रा [52:56-54:07]

तो अब क्या होता है? तीसरी मिशनरी यात्रा के बारे में मैं एक शानदार बयान देना चाहता हूँ, तीसरी मिशनरी यात्रा दूसरी मिशनरी यात्रा के बाद होती है। यरूशलेम परिषद ई. 50, दूसरी मिशनरी यात्रा ई. 50-52 है। यह 3MJ उसके बाद आने वाला है, मोटे तौर पर ई. 53-57। मैं नहीं चाहता कि आप तारीखें जानें। वास्तव में तीसरी मिशनरी यात्रा को याद करने का सबसे अच्छा तरीका इफिसुस में तीन साल है। तीसरी मिशनरी यात्रा इफिसुस में तीन साल की है। दूसरी मिशनरी यात्रा कुरिन्थ में दो साल की थी। यह वास्तव में डेढ़ साल की है। तीसरी मिशनरी यात्रा, इफिसुस में तीन साल। तो क्या होता है? पॉल दूसरी मिशनरी यात्रा पर इफिसुस जाना चाहता था लेकिन आत्मा ने उसे जाने नहीं दिया। इस बार वह फिर से सीरिया के एंटीओक से शुरू करता है, तीनों मिशनरी यात्राएँ वहीं से शुरू होती हैं। वह इस गलातियों के क्षेत्र से वापस आता है इस बार वह सीधे इफिसुस की ओर जाता है। वह इफिसुस में रहने जा रहा है जो एशिया प्रांत में है और वह वहाँ तीन साल तक रहने वाला है।

जे. इफिसुस [54:07-60:56]

अब, इफिसुस में क्या होता है? मैं आपको इसके बारे में बताता हूँ। सबसे पहले वह जॉन द बैपटिस्ट के कुछ पुराने शिष्यों से मिलता है और वह इन लोगों के साथ क्या करता है, वह कहता है, "अरे, यहाँ क्या मामला है? क्या आप पवित्र आत्मा के बारे में कुछ जानते हैं? क्या आप यीशु के बारे में कुछ जानते हैं?" वे कहते हैं, "नहीं, हम केवल जॉन द बैपटिस्ट के बारे में जानते हैं। उसने हमें बपतिस्मा दिया, हमने पश्चाताप किया और अपने पापों से छुटकारा पाया।" लेकिन वह उन्हें यीशु के बारे में बताता है और उन पर हाथ रखता है। वे अन्य भाषाएँ बोलते हैं और वे ईसाई बन जाते हैं। तो यह इफिसुस में हुआ। आपको जॉन द बैपटिस्ट के शिष्य वहाँ परिवर्तित होते हुए मिलेंगे।

पॉल फिर टायरानस के स्कूल में जाता है और वहाँ पढ़ाता है। पॉल यहाँ एक शिक्षण मंत्रालय विकसित करता है और जो होता है वह यह है कि इफिसुस में बहुत से लोग ईसाई बन जाते हैं इसलिए वे अपनी किताबें जलाना शुरू कर देते हैं। उनके पास जादू पर ये किताबें थीं और उन्होंने अपनी किताबें जलाना शुरू कर दिया। अब क्या होता है? वे अपनी किताबें जलाना शुरू कर देते हैं और फिर इफिसुस में डेमेट्रियस नाम का एक आदमी रहता है। डेमेट्रियस एक चांदी का कारीगर है। वह इफिसुस की देवी आर्टेमिस के लिए मूर्तियाँ बनाता है। यह एक तरह की उर्वरता देवता की चीज़ है, प्रेम देवी की तरह की चीज़। सभी तरह की अनैतिकता इसमें शामिल थी। अगर आपने कभी भी उन देवी-देवताओं को देखा है जिन्हें हमने वास्तव में पुरातत्व से खोदा है तो आपको पता चलेगा कि यह कितना कामुक और भ्रष्ट था। लेकिन वैसे भी, अफ़वाह यह है कि जाहिर तौर पर एक उल्का नीचे आया और ज़मीन से टकराया। तो एक उल्का नीचे आया और उन्होंने इस उल्का को खोदा और इस उल्का को स्वर्ग से नीचे आया एक देवता माना जाता था। उन्होंने इस देवता और देवी को आर्टेमिस कहा। फिर उन्होंने व्यापार के लिए आर्टेमिस या इशतार और कुछ अन्य देवताओं, बाल और इशतार की मूर्तियाँ बनाईं। तो वह एक चांदी का कारीगर है और इन सभी लोगों के ईसाई बनने से क्या होता है? उसका व्यवसाय खत्म हो जाता है। यह एक अच्छा व्यवसाय मॉडल नहीं है, ये लोग ईसाई बन जाते हैं। वे अब मूर्तियाँ नहीं बनाते। मैं अपना व्यवसाय खो रहा हूँ, यह एक समस्या है। इसलिए वह दंगा शुरू कर देता है। वह सभी लोगों को इकट्ठा

करता है और लोग चिल्लाना शुरू कर देते हैं, "इफिसियों की देवी आर्टेमिस महान है, इफिसियों की देवी आर्टेमिस महान है।" यह ऐसा है जैसे पॉल इन सभी लोगों से कह रहा है कि उन्हें अब इन देवताओं की पूजा करने की ज़रूरत नहीं है और हम पैसे खो रहे हैं। तो ऐसा लगता है कि यूनियन पॉल के खिलाफ़ हैं और वे कैन को उठाने की कोशिश कर रहे हैं। वे पॉल के खिलाफ़ दंगा करने जा रहे हैं। तो यही हो रहा है। क्या पैसा और धर्म आज के दिन से जुड़े हैं? फिर वह दावा करता है कि ये ईसाई ये सभी बुरे काम कर रहे हैं।

हमारी संस्कृति में लोग कैसे घोषणा करते हैं कि ईसाई धर्म बुरा है? हमारी संस्कृति में लोग जब हमसे सहमत नहीं होते हैं तो वे आरोप लगाते हैं और मुझे नहीं पता कि आपने सुना है कि हम बोस्टन क्षेत्र में हैं या नहीं। अगर आपने बोस्टन ग्लोब को एक बेहतर साल के लिए पढ़ा है, तो मैंने उस पागल चीज़ की अपनी सदस्यता रद्द कर दी क्योंकि लगभग पाँच वर्षों तक अख़बार में पहली पंक्ति में एक ही बात थी। उन्होंने बस शब्दों को घुमाया और बस एक ही तरह की विरोधी-यह विरोधी-वह विरोधी बातें कीं। उन्होंने रोमन कैथोलिक चर्च पर हमला किया। तो सभी रोमन कैथोलिक बाल उत्पीड़नकर्ता हैं और इसलिए वे रोमन कैथोलिक चर्च पर हमला करने के लिए वास्तव में बहुत ही कठोर थे। बाल उत्पीड़न वास्तव में बहुत बुरा है, मैं इसे माफ़ नहीं कर रहा हूँ। लेकिन मैं आपको बता रहा हूँ कि मीडिया वास्तव में उस पर था। बार-बार। इसलिए मैं इस तरह की बातें कह रहा हूँ।

यहाँ एक लड़का है, मेरा बेटा यह कहानी सुनाता है, वह अपने हाई स्कूल की कक्षा में था, मुझे लगता है कि यह "फिल्म, भोजन और कल्पना" थी और इस कक्षा में। वे एक नास्तिक व्यक्ति के बारे में पढ़ते हैं और फिर हमें नास्तिकता के प्रति खुला होना चाहिए, इसलिए हमें एक ऐसे व्यक्ति के प्रति सहिष्णु होना चाहिए जो नास्तिक है। आपको एक ऐसे व्यक्ति के प्रति सहिष्णु होना चाहिए जो मुस्लिम है; आपको समझना होगा। फिर यहाँ उन्होंने एक समलैंगिक बच्चे के बारे में पढ़ा और वह वास्तव में अपनी यौन पहचान के साथ संघर्ष कर रहा था और शिक्षक आपको इसे समझने का निर्देश देता है। यहाँ उन्होंने एक ईसाई के बारे में पढ़ा। वह भयानक बदबूदार पाखंडी ईसाई, इसलिए कक्षा में चर्चा हुई। क्या यह ईसाई घृणित नहीं है? तो यहाँ आपको सभी के लिए सहिष्णुता मिली है, लेकिन जब आप

एक ईसाई के बारे में पढ़ते हैं, तो अचानक उन्हें ये सभी बहुत ही घिनौनी असहिष्णु बातें कहने की पूर्ण स्वतंत्रता महसूस होती है। ईसाइयों के प्रति असहिष्णु होना ठीक है। हमारे पास एक ऐसा व्यक्ति भी था जो गॉर्डन के चैपल में भी आया था। मैं उसे बस फ्रैंकी कहूंगा , और वह बहुत स्पष्टवादी नहीं है, उसे बस अपने दिमाग की जांच करवानी चाहिए। वह आकर ईसाई धर्म के खिलाफ ये सारे भयानक आरोप लगाएगा कि ईसाई धर्म बिल्कुल "तालिबान" जैसा है। मूल ईसाई धर्म बिल्कुल तालिबान जैसा है। इसलिए वह ईसाइयों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण के रूप में इस तरह की सभी बातें करता है। इसलिए मूल ईसाई नफरत फैलाने वाले भाषण और इस तरह की सभी चीजें कर रहे हैं। सच तो यह है कि मुझे लगता है कि हमें उस लड़के के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। बस वह एक बहुत ही ईसाई घर में पला-बढ़ा था और उसने अपने पिता फ्रांसिस से जो कुछ सीखना चाहिए था, उसे पूरी तरह से नकार दिया। अब वह सहिष्णुता के नाम पर ईसाइयों पर हमला करता फिर रहा है। आप इसकी विडंबना देख सकते हैं। उसे सहिष्णु होना चाहिए और वह बस ये सारे बेबुनियाद आरोप लगा रहा है जो यह दर्शाता है कि उसे उन कई कट्टरपंथी ईसाइयों के बारे में कोई जानकारी नहीं है जिन्हें वह स्टीरियोटाइप कर रहा था। काश वह अपने पिता और माँ की सिखाई हुई बातों को थोड़ा भी समझ पाता। उसके पिता और माँ ने वास्तव में मेरी व्यक्तिगत रूप से मदद की और अब उनका बेटा पुराने नियम में हिजकिय्याह जैसा है। वह एक अच्छा राजा था और फिर उसका बेटा मनश्शे हुआ जो सबसे बुरा दुष्ट राजा था। यह कुछ इस तरह है। आपके पास ऐसे माता-पिता हैं, वास्तव में ईश्वरीय माता-पिता, अब वह एक आदमी है और वह मेरी उम्र का है और अब वह ईसाई धर्म को नष्ट करने के लिए घूम रहा है, यह सोचकर कि उसके पिता ने सिखाया था। इस तरह उसने अपने लिए एक नाम बनाया है और आप बस कहते हैं कि यह वास्तव में दुखद है, वास्तव में, वास्तव में दुखद है। इसलिए मुझे लगता है कि मुझे उस पर दया आती है। दया शायद सबसे बुरी चीज है और वह चीज है जिससे यह आदमी शायद सबसे ज्यादा घृणा करता है। लेकिन आपको उस आदमी पर दया करनी चाहिए। वह वास्तव में कई मायनों में खो गया है।

के. तीसरी मिशनरी यात्रा: कुरिन्थ को पत्र [60:56-62:15]

एफ: संयुक्त केएन; 60:56-74:37; 3एमजे कोरिंथ से यरुशलम

तो क्या हुआ? तो ये सारे आरोप पॉल पर लगे, वह एक ईसाई है; वह ये सब कर रहा है। वे चिल्लाते हैं, इफिसियों की देवी आर्टेमिस। अब महत्वपूर्ण बात यह है कि वह इफिसुस में तीन साल बिताता है। जब वह वहाँ रहता है तो वह टायरानस के स्कूल में पढ़ाता है। उसका दूसरा पसंदीदा शहर कौन सा है? उसका दूसरा पसंदीदा शहर कोरिंथ है। तो क्या होने वाला है, इफिसुस से तीसरी मिशनरी यात्रा पर वह कोरिंथ को लिखने जा रहा है। कोरिंथ, लोग आगे-पीछे यात्रा कर रहे हैं और वे मूल रूप से पॉल को बताते हैं, "पॉल कोरिंथ के चर्च में यहाँ बड़ी समस्याएँ हैं।" तो पॉल समस्याओं के बारे में सुनता है। कुछ समस्याएँ क्या हैं? ये सभी लोग कम्युनियन में नशे में धुत हो रहे हैं। यह अच्छा नहीं है। वह आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है। यह वास्तव में बुरा है। तो पॉल ने यह सब किया और पॉल ने कहा "मैं 1 कोरिंथियों का यह पत्र लिखने जा रहा हूँ।" इसलिए वह 1 कुरिन्थियों को लिखता है। अब आप समझ गए होंगे कि पौलुस ने कुरिन्थियों को हमसे ज़्यादा पत्र लिखे हैं। हम जानते हैं कि अन्य कुरिन्थियों के पत्रों का भी उल्लेख है, "आँसू पत्र"। पौलुस ने कुरिन्थियों को कई पत्र लिखे। हमारे पास उनमें से दो हैं। तो यह 1 कुरिन्थियों या जो भी उसने तीसरी मिशनरी यात्रा पर कुरिन्थियों को लिखा है। यह एक बड़ी बात है; कुरिन्थ एक बहुत बड़ी किताब है।

एल. तीसरी मिशनरी यात्रा: इफिसुस और पौलुस के पत्र [62:15-67:45]

अब क्या होता है? वह इफिसुस छोड़ने जा रहा है और जब वह इफिसुस छोड़ता है तो वह मैसेडोनिया से ऊपर जाता है और जैसे ही वह मैसेडोनिया से ऊपर जाता है। वह त्रोआस से वापस ऊपर जाता है और वह फिर से फिलिप्पी, थेसालोनिका, बेरिया से टकराता है और वह नीचे कुरिन्थ में आता है। जब वह वहाँ पहुँचता है तो वह यरूशलेम के गरीब लोगों के लिए धन जुटाना शुरू कर देता है। तीसरी मिशनरी यात्रा पर पॉल के साथ यह एक

बड़ा मिशन बन जाता है। उसने सुना है कि यरूशलेम में अकाल पड़ा है जहाँ भोजन नहीं है। इसलिए पॉल यरूशलेम में लोगों को भोजन कराने के लिए धन जुटाने के लिए चर्च का उपयोग कर रहा है। तो यह ईसाई धर्म की सामाजिक न्याय की प्रतिक्रिया है? हाँ पॉल अब मदद कर रहा है। वह चर्च में धन जुटा रहा है। इसलिए वह मैसेडोनिया के लोगों से मिलने जा रहा है। मैसेडोनिया के लोग वास्तव में बहुत अच्छे दाता थे। इसलिए वह यहाँ जाता है, और जब वह वहाँ पहुँचता है तो वास्तव में किसके पास बहुत सारा धन है? मैसेडोनिया के लोगों के पास कुछ धन है लेकिन कौन धनी माना जाता है? कुरिन्थ के लोग। तो पॉल यहाँ से क्या करता है, जब वह इफिसुस से 1 कुरिन्थियों को लिखता है और फिर जब वह मैसेडोनिया की यात्रा करता है और 2 कुरिन्थियों को नीचे भेजता है। वह मैसेडोनिया से 2 कुरिन्थियों को नीचे भेजता है और उन्हें 2 कुरिन्थियों का संदेश बताता है। यह भयानक है, लेकिन, इसे संक्षेप में कहें तो। पॉल कह रहा है "अरे, मैं आ रहा हूँ और मैं यरूशलेम में उन गरीब लोगों के लिए पैसे जुटाने जा रहा हूँ जिन्होंने अकाल का सामना किया है। अपना पैसा तैयार रखें ताकि जब मैं आऊँ तो आप देने के लिए तैयार रहें।" क्या किसी को वह अंश याद है जहाँ लिखा है, "परमेश्वर खुशी से देने वाले को प्यार करता है?" यह कहाँ होता है? 2 कुरिन्थियों। 2 कुरिन्थियों में पॉल यरूशलेम में गरीब लोगों की मदद करने के लिए पैसे की अपील कर रहा है। इसलिए अगर आप लोगों से पैसे देने की अपील करने के लिए अच्छे अंश पाना चाहते हैं, तो 2 कुरिन्थियों एक बेहतरीन जगह है। तो इफिसुस से 1 कुरिन्थियों को लेकर वह वहाँ जाता है और मैसेडोनियावासियों पर हमला करता है और वह तीसरी मिशनरी यात्रा पर 2 कुरिन्थियों को लिखता है। तो 1 और 2 कुरिन्थियों दोनों को तीसरी मिशनरी यात्रा पर लिखा गया है।

फिर वह कुरिन्थ आता है और वहाँ के लोगों से मिलता है। वह यरूशलेम में गरीब लोगों के लिए पैसे इकट्ठा करता है। फिर क्या होता है कि वह कुरिन्थ में होता है और उसे एहसास होता है कि वह पैसे जुटा रहा है और लोगों से फिर मिलता है और इस पैसे के साथ वापस इज़राइल चला जाता है। लेकिन जो बात उसे आकर्षित करती है वह यह है कि उसकी नज़र पश्चिम की ओर जा रही है। पॉल एक मिशनरी है जो एक नए क्षेत्र में दिलचस्पी

रखता है, इसलिए कुरिन्थ से वह पश्चिम की ओर देखने जा रहा है और वह रोमियों की किताब लिखने जा रहा है। तीसरी मिशनरी यात्रा पर कुरिन्थ से वह देखने जा रहा है और वह कहता है, "रोमियों, मैंने तुम्हारे साथ कोई चर्च या कुछ भी शुरू नहीं किया है लेकिन मैं रोम जा रहा हूँ और मैं कभी-कभी तुमसे मिलने जा रहा हूँ। मैं तुम्हें एक पत्र भेजने जा रहा हूँ और इसलिए वह तीसरी मिशनरी यात्रा पर कुरिन्थ से लिखता है। वह रोमियों की पुस्तक लिखकर उन्हें बताता है कि वह उनसे मिलने आना चाहता है। वह रोमियों की पुस्तक है। तीसरी मिशनरी यात्रा के बारे में यह इतना अच्छा क्यों है? तीसरी मिशनरी यात्रा इफिसुस में तीन साल की है। तीसरी मिशनरी यात्रा पर कौन सी पुस्तकें लिखी गई हैं? 1 कुरिन्थियों, 2 कुरिन्थियों ने धन जुटाने और रोमियों की पुस्तक लिखने के लिए नीचे उतरे क्योंकि वह कुरिन्थ छोड़ने के लिए तैयार था। 1 कुरिन्थियों, 2 कुरिन्थियों, रोमियों की पुस्तक प्रेरित पौलुस द्वारा लिखी गई तीन बड़ी पुस्तकें हैं। रोमियों, 1 और 2 कुरिन्थियों और वे सभी तीसरी मिशनरी यात्रा पर लिखी गई हैं। इसलिए यहाँ पौलुस बहुत उत्पादक है। यदि आप पुस्तकें पढ़ते हैं वे अविश्वसनीय हैं।

अब क्या हुआ? एक और बात है और मुझे लगता है कि यह अध्याय 20 पद 9 में है। पॉल ने फोन किया, उसका पैसा मैसेडोनिया वापस चला गया और पैसे इकट्ठा किए, वह इफिसुस के लोगों को अलविदा कहना चाहता था। वह यहाँ नीचे मिलता है लेकिन वह वापस रुक जाता है। मुझे लगता है कि वह त्रोआस में है और उसने प्रचार करना शुरू कर दिया है, मुझे अध्याय 20 पद 9 में यह पढ़ने दें कि मेरे कुछ छात्र आप लोग जानते हैं कि यह सब क्या है। प्रेरितों के काम के अध्याय 20 पद 9 में यह कहा गया है, "पॉल ने लोगों से बात की और क्योंकि वह अगले दिन जाने का इरादा रखता था, वह आधी रात तक बात करता रहा। ऊपर के कमरों में जहाँ वे मिल रहे थे, वहाँ कई दीपक जल रहे थे। खिड़की में बैठा एक युवक यूतुखुस था जो गहरी नींद में डूब रहा था क्योंकि पॉल लगातार बात कर रहा था। जब वह गहरी नींद में था तो वह तीसरी मंजिल की खिड़की से जमीन पर गिर गया और उसे मृत अवस्था में उठाया गया।" तो यह यूतुखुस की एक तस्वीर है जो प्रेरित पौलुस के उपदेश देते समय सो जाता है - कभी-कभी यह आपको न्यू टेस्टामेंट क्लास की याद दिलाता है, है

न? वैसे भी, वह तीसरी मंजिल की खिड़की से गिर जाता है। वह नीचे गिर जाता है और सो जाता है। वे उसे मरा हुआ समझकर उठा लेते हैं। पौलुस मूल रूप से उस व्यक्ति को ठीक करता है और उसे वापस ऊपर लाता है और वह जीवित हो जाता है। तो यह त्रोआस में यूतुखुस की कहानी है। यह एक दिलचस्प मजेदार कहानी है, अगर आपने कभी कोई सार्वजनिक भाषण दिया हो और पौलुस के कारण लोग आपके सामने सो गए हों, तो आप समझ जाएंगे कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ।

एम. पॉल की यरूशलेम वापसी और कारावास [67:45-73:22]

फिर पॉल वापस इज़राइल जाता है और अब क्या होने वाला है? पॉल के साथ यह काफी गंभीर हो जाता है और हम इसे जल्दी से देखेंगे। पॉल कैसरिया क्षेत्र में पहुँचता है और वहाँ अगबस नाम का एक आदमी है, वह एक भविष्यवक्ता है। अगबस ने इस बेल्ट को उतार दिया और पॉल के हाथ बाँध दिए और कहा "जो कोई भी इस बेल्ट को पहनेगा, उसे यरूशलेम पहुँचने पर बाँध दिया जाएगा।" अगबस के माध्यम से आत्मा बोल रही है। वैसे अगबस एक भविष्यवक्ता है, न कि एक लेखन भविष्यवक्ता। याद कीजिए जब हमने फिलिप के बारे में बात की थी। फिलिप की चार भविष्यवाणी करने वाली बेटियाँ थीं और इसलिए ये वे लोग थे जिन्होंने परमेश्वर का वचन दिया लेकिन वे वास्तव में पवित्रशास्त्र के लेखक नहीं थे। हम पुराने नियम में भी जानते हैं कि नाथन जिसने 2 शमूएल 12 में दाऊद को फटकार लगाई थी, उसने वास्तव में कोई भी भविष्यवाणी नहीं लिखी। न ही मीकायाह ने, न ही भविष्यवक्ता हुल्दा ने। यशायाह, यिर्मयाह, यहजकेल और दानिय्येल के अलावा अन्य भविष्यवक्ता थे जिन्होंने वास्तव में विहित भविष्यवक्ताओं को लिखा था। ऐसे अन्य भविष्यवक्ता भी थे जो भविष्यवक्ता लिख रहे थे और जो केवल बातें कहते थे। अगबस उन भविष्यवक्ताओं में से एक है। वह पॉल को बांधता है; पॉल कहता है "यरूशलेम मत जाओ पॉल, नहीं तो तुम मुसीबत में पड़ जाओगे।" पॉल जवाब देता है, "आत्मा मुझे ले जा रही है मुझे यरूशलेम के लोगों के लिए यह धन इकट्ठा करना है; मैं वहाँ जा रहा हूँ।" तो पॉल यरूशलेम जाता है और अंदाज़ा लगाइए क्या होता है? वह मंदिर पर्वत पर है और यहूदी

दंगा भड़काते हैं और रोमन आते हैं और पॉल को वहाँ पकड़ लिया जाता है और उसे जेल में डाल दिया जाता है।

तो चलिए अब प्रेरितों के काम 24 में आगे बढ़ते हैं और देखते हैं कि पॉल के साथ क्या हो रहा है, वास्तव में एक अंश है जिसे मैं उठाना चाहता था और वह है, आइए देखें कि क्या मैं इसे यहाँ खींच सकता हूँ। जब पॉल को गिरफ्तार किया जाता है तो एक रोमन गार्ड होता है। पॉल को गिरफ्तार किया जाता है और वे उसे मारने की कोशिश कर रहे हैं। वहाँ के सैनिकों में से एक, मैं यहाँ अपना आपा खो रहा हूँ, यह अध्याय 22 में है। यह श्लोक 25 है। दंगा हो रहा है और पॉल मंदिर पर्वत पर है। जब भी यहूदी दंगा करते हैं तो रोमन सैनिक बाहर आते हैं और पॉल को घसीट कर ले जाते हैं और इसलिए वे पॉल को सीधे महासभा में ले जाते हैं। उसने कहा, "मेरे भाइयों, मैंने आज तक पूरी ईमानदारी से परमेश्वर के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा किया है।" इस पर महायाजक हनन्याह ने पॉल के पास खड़े लोगों को उसके मुँह पर थप्पड़ मारने का आदेश दिया।" पॉल के लिए यह बुरा हो गया। इससे ठीक पहले वे पॉल को खींचकर उसे कोड़े मारने का निर्देश देने वाले थे, रोमनों ने पॉल को इस दंगे का कारण माना। इसलिए वे उसे संभवतः एंटोनियो किले में घसीट कर ले गए और वे उसे कोड़े मारने वाले थे। जब उन्होंने उसे कोड़े मारने के लिए आगे बढ़ाया, तो प्रेरितों के काम 22:25 में पौलुस ने वहाँ खड़े सूबेदार से कहा, "क्या यह उचित है कि तुम एक रोमी नागरिक को कोड़े मारो, जो दोषी भी नहीं पाया गया है?" जब सूबेदार ने यह सुना, तो यह आदमी सौ से ज़्यादा सैनिकों का था, जब सूबेदार ने यह सुना तो वह सेनापति के पास गया। तो यह आदमी एक सूबेदार है और वह अपने सेनापति के पास गया। मेरे पास यरूशलेम में कुछ रिकॉर्ड हैं; दसवीं सेना वहाँ थी। अगर आप यरूशलेम में चट्टानों पर जाएँ तो आपको न्यू इंपीरियल होटल के बाहर चट्टानों पर एक "X" दिखाई देगा। अगर आप गेट लॉस्ट इन यरूशलेम में जाएँ तो आप वास्तव में वहाँ जा सकते हैं और सड़कों पर चल सकते हैं और न्यू इंपीरियल होटल में जा सकते हैं और आपको वहाँ इस छोटे से मार्कर पर एक छोटा सा "x" दिखाई देगा। इसका मतलब है कि यह दसवीं सेना है। रोमनों ने अपनी सेनाएँ वहाँ तैनात की थीं जो बाद के समय की हैं। सेनापति पौलुस के पास गया और पूछा "मुझे

बताओ, क्या तुम एक रोमन नागरिक हो?' 'हाँ मैं हूँ।' उसने जवाब दिया। तब कमांडर ने कहा, 'मुझे अपनी नागरिकता के लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।' 'लेकिन मैं एक नागरिक के रूप में पैदा हुआ था।' पॉल ने जवाब दिया।" पॉल ने कहा कि मैं एक नागरिक के रूप में पैदा हुआ था। इस आदमी ने कहा, "मुझे अपनी नागरिकता प्राप्त करने के लिए बड़ी रकम चुकानी पड़ी।" यदि आप रोम के नागरिक हैं तो आपको इस तरह से नहीं पीटा जाता क्योंकि आप रोम के नागरिक हैं। यह आपको दर्जा देता है। इस आदमी ने कहा, "मैंने इसके लिए बड़ी कीमत चुकाई है मैं रोमन नागरिकता को बहुत गंभीरता से लेता हूँ।" क्या आपको याद है जब पीटर, यह बाइबिल में नहीं है, लेकिन यह शुरुआती चर्च *फॉक्स की शहीदों की पुस्तक में है?* पीटर को सूली पर चढ़ाया गया था। पीटर एक यहूदी था और इसलिए उसे सूली पर चढ़ाया गया और जब वे पीटर को सूली पर चढ़ाने गए तो उसने कहा, "मैं प्रभु की तरह मरने के योग्य नहीं हूँ।" इसलिए उन्होंने उसे उल्टा सूली पर चढ़ा दिया। मैं इसकी अनुशंसा नहीं करता। यह वाकई बहुत बुरा रहा होगा। इसलिए उन्होंने पीटर को उल्टा सूली पर चढ़ा दिया। हालाँकि पॉल को सूली पर नहीं चढ़ाया जा सका। पॉल को सूली पर नहीं चढ़ाया जा सका। वह एक रोमन नागरिक था। इसलिए पॉल की मृत्यु संभवतः 68 ई. के आसपास हुई होगी, उसका सिर कलम कर दिया गया होगा। पीटर की मृत्यु संभवतः 64/65 ई. में हुई थी। पॉल की मृत्यु लगभग तीन या चार साल बाद हुई। लेकिन रोमन नागरिकता एक बड़ी बात थी।

एन. तीसरी मिशनरी यात्रा की समीक्षा [73:22-74:37]

अब मैं इन लोगों के बारे में बात करूँगा। तो पॉल वापस आ गया है, वह यरूशलेम में है। चलिए तीसरी मिशनरी यात्रा के बारे में बात करते हैं। तीसरी मिशनरी यात्रा पर इफिसुस में तीन साल। इफिसुस से सबसे पहले 1 कुरिन्थियों की पुस्तक लिखी। जॉन बैपटिस्ट के शिष्यों ने इफिसुस में पवित्र आत्मा प्राप्त की। इफिसुस में जादुई पुस्तकों को जला दिया गया। डेमेट्रियस ने धन और धर्म का उत्पात मचाया। वह एक चांदी के कारीगर

के रूप में धन खो रहा था, कोई भी उसकी मूर्तियों को नहीं खरीद रहा था और इसलिए वह परेशान हो गया। सार्वजनिक चौक में धर्म का प्रदर्शन कैसा है? हमने इस बारे में कुछ बात की। पॉल ने मैसेडोनिया का फिर से दौरा किया। जब वह मैसेडोनिया का फिर से दौरा कर रहा था, तो मैसेडोनियन लोग अच्छे दाता थे। वह 2 कुरिन्थियों को कुरिन्थियन चर्च को लिखता है और उनसे कहता है कि जब वह आएगा तो वे अपने धन को तैयार रखें। वह कुरिन्थ पहुँचता है और कुरिन्थ में वह रोमियों को लिखता है। रोमियों पश्चिम की ओर देख रहा है, क्योंकि उसे एहसास होता है कि उसे पूर्व की ओर जाना है। वह यरूशलेम वापस जा रहा है। लेकिन वह रोम की ओर देखता है और वहाँ सोलह अध्यायों के साथ रोमियों की पुस्तक लिखता है। वह मैसेडोनिया की यात्रा करता है, यूतुखुस त्रोआस में सो जाता है, और एशिया, जहाँ इफिसुस है। वह यरूशलेम में अकाल के कारण गरीबों को यह उपहार देने के लिए यरूशलेम वापस जाता है।

ओ. पॉल के परीक्षण: फेलिक्स [74:37-77:24]

जी: संयुक्त ओ –एस: 74:37-84:49; पॉल की कैद, रोम की यात्रा

अब उसके मुकदमों के दौरान उसे पकड़ लिया गया। उसे लगभग कोड़े मारे गए लेकिन उन्होंने उसे छोड़ दिया। वह फेलिक्स के सामने गया। मैं बस इसे बयान करने जा रहा हूँ। यह अधिनियम 24 में है। फेलिक्स ने जो किया वह यह है कि फेलिक्स ने पॉल को बुलाया। फेलिक्स यहूदियों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करना चाहता था और पॉल यहूदियों से नफरत करता था। इसलिए फेलिक्स ने यहाँ कुछ टिप्पणियाँ की हैं। यह अध्याय 24 है। फेलिक्स ने इसे नाज़रीन संप्रदाय के रूप में संदर्भित किया और कहा कि पॉल नाज़री संप्रदाय का हिस्सा है। उन्हें नाज़रीन कहा जाता था। फरीसी, सद्दुकी और आपके पास नाज़रीन थे। ईसाई धर्म अपने पहले भाग में यहूदी धर्म की छत्रछाया में यहूदी धर्म के दूसरे संप्रदाय के रूप में झगड़ा था। जब तक वे यहूदी धर्म के अधीन थे, वे रोमनों की सुरक्षात्मक देखभाल में थे। रोमनों ने यहूदियों के साथ इतना खिलवाड़ नहीं किया। यह तब हुआ जब ईसाई धर्म यहूदी धर्म की छत्रछाया से बाहर निकल गया, तब ईसाई धर्म कुछ संकट में पड़

गया। इसके बाद पॉल ने “मार्ग के लोगों” का उल्लेख किया। यह मार्ग, ईसाई धर्म को यहाँ लेबल करने का एक और तरीका है।

लेकिन क्या हुआ? फेलिक्स ने कहा, कल; कल हम इस समस्या से निपटेंगे। इसलिए उन्होंने फेलिक्स द्वारा मुकदमा चलाने के लिए पॉल को यरूशलेम से कैसरिया भेजा। फेलिक्स ने पॉल को बुलाया और उसने कहा कि आप जानते हैं कि कल कोई जल्दी नहीं है। वास्तव में पाठ में यह बताया गया है कि फेलिक्स को रिश्वत चाहिए थी। फेलिक्स पॉल से रिश्वत चाहता था। क्यों? पॉल जाहिर तौर पर ग्रीस और अन्य स्थानों में धन जुटाने में सक्षम था। फेलिक्स इस कार्रवाई का एक हिस्सा पाने की कोशिश कर रहा है। इसलिए वह पॉल से रिश्वत चाहता है और इसलिए पॉल दो साल के लिए फेलिक्स के अधीन कैसरिया में जोप्पा [तेल अवीव] के उत्तर में तट पर जेल में रहता है। इसलिए पॉल को दो साल की कैद हुई।

वैसे, हमें क्या याद है? उसके साथ कौन है? लूका उसके साथ है, इसका मतलब है कि लूका दो साल से फिलिस्तीन में है। इसका क्या मतलब है? क्या लूका शायद मरियम और प्रेरितों से बातचीत कर रहा है और लूका की किताब में सबसे अच्छे थियोफिलस को लिखने के लिए यीशु की कहानियाँ ढूँढ़ रहा है। लूका किसकी किताब लिखने जा रहा है? प्रेरितों के काम की। तो यहाँ फेलिक्स, फेस्तुस की कहानी है, और पॉल के साथ लूका है। लूका रोम जाने पर पॉल की अदालती मामले में मदद करने के लिए सबसे अच्छे थियोफिलस को प्रेरितों के काम की कहानी लिख रहा है। तो वैसे भी, फेलिक्स एक बुरा टालमटोल करने वाला है, दो साल से पॉल से रिश्वत चाहता है।

पी. पॉल के परीक्षण: फेस्तुस [77:24-78:38]

अब जो होता है वह यह है कि फेलिक्स दृश्य से गायब हो जाता है। फेस्तुस अगले प्रकार के गवर्नर के रूप में आता है। फेस्तुस, क्योंकि वह ब्लॉक का नया लड़का है, यहूदियों के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहता है। यहूदी यरूशलेम से लोगों को भेजते हैं। वे कहते हैं "अरे, फेस्तुस तुम हमारे साथ अच्छा व्यवहार करना चाहते हो? तुम पॉल को वापस

यरूशलेम ले आओ। हम महासभा के रूप में, यहूदी न्यायिक निकाय के रूप में, पॉल पर मुकदमा चलाने वाले हैं। इसलिए पॉल को वापस यरूशलेम ले आओ।" लेकिन फेस्टस को यह नहीं पता था कि यहूदी एक साजिश रच रहे थे कि कैसरिया से यरूशलेम तक के रास्ते पर जो यरूशलेम तक तट रेखा पर है, यहूदी उस पर घात लगाकर हमला करेंगे और रास्ते में ही पॉल को मार देंगे। इसलिए कोई मुकदमा नहीं चलेगा और पॉल को मार दिया जाएगा।

तो पॉल क्या करता है, पॉल को जाल के बारे में पता चलता है और वह कहता है "मैं कैसर से अपील करता हूँ।" एक रोमन नागरिक के रूप में उसे कैसर से अपील करने का अधिकार था इसलिए वह कैसर से अपील करता है। अब फ़ेस्टस के सामने एक समस्या है। समस्या यह है कि एक रोमन गवर्नर के रूप में उसे पॉल को कैसर के पास भेजना है, लेकिन समस्या क्या है? उस पर कोई आरोप नहीं है; वह उसे किस आरोप में रोम भेजने जा रहा है। इसलिए क्योंकि कोई आरोप नहीं है, इसलिए अगला व्यक्ति तस्वीर में आता है।

प्रश्न: पॉल के परीक्षण: अग्रिप्पा [78:38-80:55]

अग्रिप्पा नाम का एक शासक है। पॉल के कारण फेस्तस और अग्रिप्पा मित्र बन रहे हैं। अग्रिप्पा मार्ग को समझता है, वह नाज़रीन को समझता है, और इसलिए अध्याय 26 में आपको पॉल और अग्रिप्पा के बीच यह आगे-पीछे देखने को मिलता है। इसलिए पॉल ने अपने हाथों से इशारा किया और अपना बचाव शुरू किया। "राजा अग्रिप्पा, मैं आज आपके सामने खड़ा होने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूँ क्योंकि मैं यहूदियों के सभी आरोपों के खिलाफ अपना बचाव कर रहा हूँ और खासकर इसलिए क्योंकि आप सभी यहूदी रीति-रिवाजों से बहुत अच्छी तरह परिचित हैं।" इसलिए पॉल अग्रिप्पा के सामने आ रहा है, वह उसकी चापलूसी करता है और कहता है, "मैंने सुना है कि आप हमारे रीति-रिवाजों के बारे में बहुत कुछ जानते हैं।" पॉल कहता है, "मैं पुनरुत्थान के सवाल के कारण यहां हूँ" वास्तव में पॉल अग्रिप्पा के साथ थोड़ा आक्रामक हो जाता है और वह वास्तव में अग्रिप्पा को सुसमाचार प्रस्तुत करना शुरू कर देता है। ध्यान दें कि फेस्तस यहां क्या करता है, यह दिलचस्प है, फेस्तस और अग्रिप्पा दोनों वहां मौजूद हैं। पॉल उनके सामने अपना भाषण दे

रहा है। इस बिंदु पर, फेस्तुस ने पॉल के बचाव को बाधित कर दिया। फ़ेस्टस यही कहता है, यह प्रेरितों के काम 26:24 है, "तुम पागल हो, पॉल!" उसने चिल्लाकर कहा, "तुम्हारी महान शिक्षा तुम्हें पागल बना रही है।" कुछ लोग गॉर्डन कॉलेज और हमारे यहाँ के छात्रों के बारे में ऐसा कहते हैं कि उनकी महान शिक्षा उन्हें पागल बना रही है। जाहिर है फ़ेस्टस जानता है कि पॉल एक बहुत ही शिक्षित व्यक्ति है और इसलिए वह कहता है, "तुम्हारी महान शिक्षा तुम्हें पागल बना रही है।" फिर पॉल अग्रिप्पा के पास जाता है और वास्तव में मसीह के बारे में अग्रिप्पा को गवाही देना शुरू करता है। अग्रिप्पा आपत्ति करता है और वह कहता है, "क्या आपको लगता है कि इतने कम समय में आप मुझे ईसाई बनने के लिए राजी कर सकते हैं, पॉल?" यह लगभग राजी करना है। ध्यान दें कि वह उसे "ईसाई" कहता है। तो हमारे पास नाज़रीन है, हमारे पास मार्ग है, हमारे पास पॉल है जिसे अब "ईसाई" कहा जा रहा है। अग्रिप्पा कहता है, "तुमने मुझे ईसाई बनने के लिए लगभग राजी कर लिया है," लगभग लेकिन खो गया।

आर. शिपत्रेक - प्रेरितों के काम 27 [80:55-82:24]

अब अग्रिप्पा फेस्तुस को आरोप तय करने में मदद कर सकता है। उन्होंने पॉल को नाव पर बिठाया और वे उसे वापस जहाज पर ले जाने वाले हैं। यहीं से नाव जाती है। कैसरिया भूमध्य सागर को पार करके माल्टा द्वीप पर जाता है और यहीं पर प्रेरितों के काम 27 में लोगों का कहना है कि यह प्राचीन दुनिया में जहाज़ के डूबने का सबसे अच्छा वर्णन है। यह नाव पर आने वाली लहरों और सारे माल को पानी में फेंकने का वर्णन है। वे नाव को हल्का करने के लिए कैदियों को पानी में फेंकना चाहते थे और पॉल कहते हैं, "आप ऐसा करते हैं और यहाँ बड़ी मुसीबत खड़ी हो जाती है।" इसलिए पॉल कप्तान को कुछ सलाह देता है, वे माल्टा के इस द्वीप पर जहाज़ को डूबा देते हैं, जो सिसिली के ठीक नीचे है।

मुझे लगता है कि मेरे पास यहाँ एक तस्वीर है, मैं बस यह वर्णन करूँगा कि क्या हो रहा है। वे माल्टा द्वीप पर पहुँचते हैं और यह वास्तव में दिलचस्प है। एक साँप आता है और पॉल के हाथ को काटता है। सभी लोग निष्कर्ष निकालते हैं कि यह आदमी हत्यारा होना

चाहिए। वे जानते थे कि उस पर रोम जाने का आरोप था, इसलिए वह हत्यारा होना चाहिए। अब वह समुद्र से बाहर निकल गया लेकिन फिर एक ज़हरीला साँप उसे काटता है और पॉल को मर जाना चाहिए। लेकिन फिर जो होता है वह यह है कि पॉल नहीं मरता। पॉल साँप को वापस आग में फेंक देता है और साँप को मार देता है और पॉल को कुछ नहीं होता। लोगों ने कहा, "हे भगवान यह आदमी ज़रूर कोई देवता होगा।" तो पॉल एक हत्यारे से इस साँप द्वारा न्याय पाने वाले माल्टा के इस द्वीप पर देवता बन जाता है। फिर अंततः माल्टा के द्वीप से वे एक और नाव पकड़ते हैं और रोम तक जाते हैं। तो अब आप पॉल को रोम में पा सकते हैं।

एस. रोमन कारावास [82:24-84:49]

वे लगभग 60 ई. में रोम पहुँचे, इसे प्रथम रोमन कारावास कहा जाता है। यदि कोई प्रथम रोमन कारावास है तो आप क्या समझते हैं? कोई दूसरा रोमन कारावास भी होगा? आप सही कह रहे हैं। इसलिए वह लगभग दो वर्षों तक रोम की जेल में रहा और यह संभवतः तब हुआ जब प्रेरितों के काम की पुस्तक और सबसे उत्कृष्ट थियोफिलियस और लोगों ने पॉल को मुक्त होने में मदद की। जाहिर है कि पॉल को इस प्रथम रोमन कारावास के बाद मुक्त कर दिया गया था और फिर स्वतंत्रता की अवधि थी और फिर दूसरा रोमन कारावास था और यह अंत है, 67-68 ई. में। फिर पॉल का सिर काट दिया गया। यह तब है जब पॉल द्वितीय रोमन कारावास के साथ मर जाता है। तो दो रोमन कारावास हैं। तीन मिशनरी यात्राएँ हैं, पहली, दूसरी और तीसरी। फिर पहला रोमन कारावास, थोड़ी सी स्वतंत्रता, और फिर दूसरी रोमन कारावास के लिए वापस, जिस समय उसका सिर संभवतः काट दिया गया था।

यहाँ वह नक्शा है जो वास्तव में इसके माध्यम से चलता है और इसलिए आपको यह मानचित्रण मिलता है कि वे कहाँ गए थे। नाव कैसरिया से रवाना होती है और फिर वे तूफान से टकराते हैं और यहाँ सिसिली के ठीक नीचे माल्टा का द्वीप है। क्या आप में से कोई सिसिली के बारे में जानता है जो सिसिली का पिज्जा खाता है? इसलिए वे वहाँ आते हैं और

रोम में वह स्थान है जहाँ प्रथम रोमन कारावास और प्रेरितों के काम की पुस्तक समाप्त होती है। क्या होता है? क्या हम प्रेरितों के काम की पुस्तक के अंत में पॉल के मुकदमे का परिणाम जानते हैं? उत्तर है: नहीं। हम उसका परिणाम नहीं जानते। धारणा यह है कि प्रेरितों के काम की पुस्तक ईस्वी सन् 64 से पहले समाप्त हो जाती है क्योंकि हम सीज़र के समक्ष पॉल के मुकदमों का परिणाम नहीं जानते हैं और निश्चित रूप से हम यह नहीं जानते हैं कि मंदिर ईस्वी सन् 70 में नष्ट हो गया था। वे दो खामोशियाँ हमें बताती हैं कि प्रेरितों के काम की पुस्तक संभवतः पॉल के मुकदमे के वास्तव में समाप्त होने से पहले ही बंद हो गई है। मेरा और दूसरों का सुझाव यह रहा है कि यह पुस्तक थियोफिलस को लिखी गई थी ताकि थियोफिलस को पॉल की मदद करने के लिए आवश्यक जानकारी मिल सके। सबसे उत्तम थियोफिलस अपना वजन पौलुस के पक्ष में डाल सकता था और ऐसा हो सकता था।

अब मुझे लगता है कि जब हम अगली बार इस पर चर्चा करेंगे तो हम यहीं समाप्त करेंगे। मैं पॉल की पुस्तकों पर चर्चा करना चाहूँगा और यह भी कि वे कब लिखी गईं और यह भी पूछना चाहूँगा कि इतिहास और धर्मशास्त्र किस तरह परस्पर क्रिया करते हैं? और हम अगली बार इस पर चर्चा करेंगे जब हम रोमियों की पुस्तक पर चर्चा करेंगे। धन्यवाद।

लिआना डाल्फोंसो द्वारा लिखित
टेड हिल्लेब्रांट द्वारा संपादित रफ